



रांची, गुरुवार, 17 सितंबर 2026, भाद्रपद शुक्लपक्ष सप्तमी, विक्रम संवत-2084 वर्ष-10 अंक-148 पृष्ठ-12, मूल्य - 3 रुपये रांची, रायपुर, बिलासपुर, भोपाल व जबलपुर से एक साथ प्रकाशित www.navpradesh.com

छुट्टी की सूचना

देवशिल्पी भगवान विश्वकर्मा की पूजा के अवसर पर 17 सितंबर को दैनिक नवप्रदेश के कार्यालय में अवकाश रहेगा, इसलिए अखबार का अगला अंक 19 सितंबर को आपके हाथ में होगा

//-- सुविचार --//

अगर मुझे दोबारा अपनी जिंदगी जीनी पड़े, तो मैं वही गलतियां करूंगा, बस पहले से ज्यादा।

सूर्योदय/सूर्यास्त

उदय : 05:33 प्रातः

अस्त : 05:53 संध्या

प्रदेश का तापमान

स्थान	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	29.0	22.0
जमशेदपुर	33.0	25.0
हजारीबाग	30.0	22.0
डालटनगंज	33.0	24.0

संक्षिप्त खबरें

अब 25000 रुपये वेतन पानेवाले कर्मी पीएफ के दायरे में

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के तहत अनिवार्य कवरेज के लिए वेतन सीमा बढ़ाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। अब यह सीमा 15,000 रुपये से बढ़कर 25,000 रुपये प्रति माह हो गई है। यह निर्णय देश के लाखों कर्मचारियों के लिए एक बड़ी राहत लेकर आया है। इस कदम से 51 लाख से अधिक अतिरिक्त कर्मचारी ईपीएफओ के दायरे में आ जाएंगे। ईपीएफ की वेज सीलिंग का मतलब है कि पीएफ की अनिवार्य गणना के लिए कितनी अधिकतम मासिक मजदूरी/वेतन को आधार माना जाएगा। वर्तमान में 15,000 रुपये प्रति माह की वैधानिक वेज सीलिंग है। ईपीएफओ के अनुसार सामान्य स्थिति में पीएफ योगदान अधिकतम 15,000 रुपये की वेतन सीमा पर किया जाता है। सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एक प्रेस वार्ता में इस महत्वपूर्ण निर्णय की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह वेतन सीमा संशोधन 12 साल बाद किया जा रहा है। ईपीएफओ की वेतन सीमा 2004 से 2014 तक अपरिवर्तित रही थी। इसे सितंबर 2014 में बढ़ाकर 15,000 रुपये किया गया था। यह वर्तमान निर्णय पिछले दृष्टिकोण को आगे बढ़ाता है। इसका उद्देश्य निरंतर वेतन वृद्धि, बढ़ती आय और औपचारिक रोजगार के विस्तार को दर्शाता है।

फैसला

29 लोगों की हत्या के मामले में एनआईए अदालत का बड़ा फैसला, हाईकोर्ट करेगा मृत्युदंड की पुष्टि

13 साल बाद फैसला: 10 दोषियों को फांसी

रायपुर। झीरम घाटी हत्याकांड के 13 साल पुराने मामले में जगदलपुर की एनआईए विशेष अदालत ने बुधवार को 10 दोषियों को मृत्युदंड की सजा सुनाई। 25 मई 2013 को कांग्रेस की परिवर्तन यात्रा के काफिले पर हुए माओवादी हमले में तत्कालीन प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नंदकुमार पटेल, महेंद्र कर्मा और पूर्व केंद्रीय मंत्री विद्याचरण शुक्ल समेत 29 लोगों की मौत हुई थी। अदालत ने स्पष्ट किया कि मृत्युदंड की पुष्टि उच्च न्यायालय करेगा। दोषियों को फैसले के खिलाफ 30 दिनों के भीतर हाईकोर्ट में अपील करने का अधिकार है। अभियोजन ने दोषियों के लिए फांसी की सजा मांगी थी, जबकि बचाव पक्ष ने सजा कम करने की दलील दी।

13 साल सुनवाई, 101 गवाह

मामले की सुनवाई करीब 13 साल चली। अभियोजन पक्ष ने 101 गवाहों

सेमीकंडक्टर विकास में उद्योग की सक्रिय भागीदारी जरूरी : मोदी क्वांटम कंप्यूटिंग व एआई में बढ़े भागीदारी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को सेमीकंडक्टर क्षेत्र की प्रमुख कंपनियों के मुख्य कार्यपालक अधिकारियों (सीईओ) के साथ गोलमेज बैठक में उद्योग जगत से भारत में सेमीकंडक्टर क्षेत्र के विकास के अगले चरण में सक्रिय रूप से भाग लेने का आह्वान किया। मोदी ने सेवा तीर्थ में हुई बैठक में कहा कि भारत को उभरती प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में शुरूआती अग्रणी देशों में शामिल होने का लक्ष्य रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि सेमीकंडक्टर क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है और अब भारत का पारिस्थितिकी तंत्र बुनियादी प्रयासों से आगे बढ़कर बड़े स्तर और नए अवसरों के चरण में प्रवेश कर रहा है। प्रधानमंत्री ने प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत के भविष्य को आकार देने के लिए सरकार और सेमीकंडक्टर उद्योग के बीच करीबी सहयोग को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि भारत के पास प्रतिभा, प्रौद्योगिकी को अपनाने की क्षमता और बुनियादी ढांचे की मजबूत नींव है। उन्होंने उद्योग से कौशल विकास, नवाचार तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और क्वांटम कंप्यूटिंग जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों में अधिक भागीदारी करने का आह्वान



किया। प्रधानमंत्री ने एआई में एक करोड़ लोगों को प्रशिक्षित करने के लक्ष्य का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत की प्रतिभा और वैश्विक उद्योग जगत के नेताओं के अनुभव एवं क्षमताओं के मेल से बड़े अवसर पैदा किए जा सकते हैं। उन्होंने सरकार को ऐसी नीतिगत व्यवस्था के प्रति प्रतिबद्धता दोहराई, जो पु्वानुमेय और उद्योग की जरूरतों के प्रति उत्तरदायी हो। मोदी ने कहा कि तकनीकी बदलाव और उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप नीतियों में भी बदलाव होना चाहिए। उन्होंने उद्योग जगत के नेताओं से नीतिगत और प्रशासनिक उपायों को लेकर सुझाव देने का आग्रह किया तथा कहा कि क्षेत्र को

और मजबूत करने में उनके सुझावों पर उचित विचार किया जाएगा। बैठक में शामिल सीईओ और अन्य प्रतिनिधियों ने भारत की सेमीकंडक्टर क्षमताओं को विकसित करने के लिए सरकार के लगातार प्रयासों की सराहना की। उन्होंने विनिर्माण, डिजाइन, बुनियादी ढांचे और प्रतिभा विकास के क्षेत्र में हुई प्रगति का उल्लेख किया तथा ह्यआईएसएम 2.0हू के तहत उभरते अवसरों को लेकर विश्वास जताया। कंपनियों के प्रतिनिधियों ने सेमीकंडक्टर मूल्य श्रृंखला में विनिर्माण, अनुसंधान एवं विकास, उन्नत प्रौद्योगिकियों और सहायक उद्योगों सहित विभिन्न क्षेत्रों में क्षमता विकसित करने की भारत की संभावनाओं पर भी भरोसा जताया। उन्होंने भारत को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी सेमीकंडक्टर एवं प्रौद्योगिकी केंद्र बनाने में योगदान देने की प्रतिबद्धता जताई। बैठक में सेमी, माइक्रोन, इन्फर्नियोन, एप्लाइड मैटेरियल्स, एएसएमएल, मर्क, टोक्यो इलेक्ट्रॉन, फुजीफिल्म, एएमडी, इंटेल, टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स, लैम रिसर्च, रैपिडस, सेमीकंडक्टर डिवाइसेज, एडवांटेस्ट, सेलेस्टा कैपिटल, सीजी पावर और आईबीएम रिसर्च समेत विभिन्न संगठनों के प्रमुख और प्रतिनिधि शामिल हुए।

निवेश की तलाश में झारखंड के स्टार्टअप एक मंच पर जुटे 75 से ज्यादा संस्थापक

पांच स्टार्टअप को निवेशकों के सामने सीधे प्रस्तुतीकरण का मौका

नवप्रदेश संवाददाता

रांची। झारखंड में नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने की दिशा में प्रयास तेज हो गए हैं। इसी कड़ी में झारखंड औद्योगिक आधारभूत संरचना विकास निगम (जेआईआईडीसीओ) में बुधवार को टेली स्टार्टअप सामूहिक-रांची अध्याय का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राज्य के विभिन्न हिस्सों से 75 से अधिक स्टार्टअप संस्थापकों ने भाग लिया। इस दौरान कारोबार बढ़ाने, निवेश जुटाने और बाजार में अपनी पहचान मजबूत करने को लेकर उद्यमियों और विशेषज्ञों के बीच सीधा संवाद हुआ। कार्यक्रम में जेआईआईडीसीओ के महाप्रबंधक संजय कुमार साहू और स्टार्टअप झारखंड के मुख्य समन्वयक शुभम राज ने संस्थागत

सहयोग, उद्योग जगत से जुड़ाव और मजबूत उद्यमिता नेटवर्क को स्टार्टअप के विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया।

5 स्टार्टअप को निवेशकों के सामने सीधा मौका

कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण निवेशक के सामने व्यक्तिगत प्रस्तुतीकरण सत्र रहा। इसमें झारखंड के पांच चयनित स्टार्टअप संस्थापकों ने निवेशकों के सामने अपने कारोबारी मॉडल और विस्तार की योजनाएं प्रस्तुत कीं। उन्हें निवेशकों से सीधे संवाद करने तथा अपने कारोबार को लेकर महत्वपूर्ण सुझाव और प्रतिक्रिया प्राप्त करने का अवसर मिला। निवेश और वित्तपोषण से जुड़े सत्रों में ए स्वावायर कैपिटल की प्रबंध निदेशक चाहत अग्रवाल, वीसी ग्रिड के कुमार धीरज तथा एंजल निवेशक एवं मिशन ब्लू फाउंडेशन के पंकज सोनी ने अपने अनुभव साझा किए। टैली सॉल्यूशंस के उत्पाद उत्कृष्टता विभाग के सहायक

महाप्रबंधक गौतम चक्रवर्ती ने तकनीक और कारोबारी समाधानों से जुड़े पहलुओं पर विचार रखे। संची कनेक्ट के विकास विभाग के उपाध्यक्ष विजय बावरा भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

कारोबार विस्तार से निवेश तक पर मंथन

कार्यक्रम में स्टार्टअप संस्थापकों, निवेशकों, मार्गदर्शकों और उद्योग जगत से जुड़े प्रतिनिधियों के बीच परिचर्चा और संपर्क का अवसर मिला। कारोबार विस्तार, निवेश की तैयारी, प्रभावी प्रस्तुतीकरण तथा संभाषित सहयोग जैसे विषयों पर विचार-विमर्श हुआ। टेली सॉल्यूशंस, संची कनेक्ट, स्टार्टअप झारखंड और जेआईआईडीसीओ की सहभागिता से आयोजित इस कार्यक्रम ने सरकार, उद्योग, निवेशकों और स्टार्टअप समुदाय को एक साझा मंच उपलब्ध कराया। जेआईआईडीसीओ के अनुसार, ऐसे प्रयासों से झारखंड में नवाचार और उद्यमिता के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने तथा उभरते कारोबारों को विशेषज्ञों और निवेशकों से जोड़ने में मदद मिलेगी।

हेमंत सोरेन से ऑस्ट्रेलियाई महावाणिज्यदूत की मुलाकात

झारखंड-ऑस्ट्रेलिया संबंधों को नई ऊंचाई देने पर चर्चा, खनिज, शिक्षा, कौशल और निवेश में सहयोग की संभावनाएं तलाशीं

नवप्रदेश संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से बुधवार को कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में कोलकाता स्थित ऑस्ट्रेलियाई महावाणिज्यदूत बर्नार्ड लिंच ने शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान झारखंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने तथा विभिन्न क्षेत्रों में रणनीतिक साझेदारी बढ़ाने पर विस्तार से चर्चा हुई। मुख्यमंत्री और ऑस्ट्रेलियाई महावाणिज्यदूत ने शिक्षा, खनिज, कौशल विकास, निवेश, संस्कृति, खेल और पर्यटन सहित कई प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया। दोनों पक्षों के बीच आपसी हित वाले क्षेत्रों में साझेदारी को बढ़ावा देने और भविष्य में सहयोग के नए अवसर तलाशने पर भी चर्चा हुई। मुलाकात के दौरान राज्य के मुख्य सचिव अविनाश कुमार तथा ऑस्ट्रेलियाई महावाणिज्य दूतावास, कोलकाता की वरिष्ठ अनुसंधान एवं भ्रमण अधिकारी एंजेलीना नायर मौजूद रहीं।

देशभर में 'स्वच्छता ही सेवा अभियान' का आगाज आज से

नई दिल्ली। स्वच्छता ही सेवा अभियान का 10वां संस्करण गुरुवार से पूरे देश में शुरू हो जाएगा। 15 दिनों तक चलने वाले इस अभियान का उद्देश्य देशभर में लाखों लोगों को सामूहिक रूप से स्वच्छता अभियानों के लिए प्रभावी रूप से प्रेरित करना है। इस वर्ष की थीम स्वच्छता में सहभाग, स्वच्छ भारत, विकसित भारत रखी गयी है। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने बुधवार को राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में 17 सितंबर से 02 अक्टूबर तक चलने वाले स्वच्छता ही

सेवा-2026 अभियान की प्रमुख गतिविधियों की जानकारी साझा की। इस दौरान केंद्रीय जलशक्ति राज्यमंत्री वी. सोमना, केंद्रीय आवास एवं शहरी विकास राज्यमंत्री तोखन साहू, केंद्रीय

आवास एवं शहरी विकास विभाग के सचिव सतेंद्र सिंह और स्वच्छता एवं पेयजल विभाग के सचिव अशोक केके मीणा मौजूद रहे। पाटिल ने बताया कि इस वर्ष अभियान के दौरान जनभागीदारी

मोतियाबिन्द

मोतियाबिन्द के लक्षण, उपचार एवं रोकथाम

मोतियाबिन्द के लक्षण

- दृष्टि में धुंधलापन या अस्पष्टता।
- बुजुर्गों में निकट दृष्टि दोष में निरंतर बढ़ोतरी।
- रंगों को देखने की क्षमता में बदलाव, क्योंकि लेंस एक फिल्टर की तरह काम करता है।
- रात में वाहन चलाने में दिक्कत आना।
- दिन के समय आँखें चोंधियाना।
- दोहरी दृष्टि (डबल विजन)।
- चश्मे के नंबर में अचानक बदलाव आना।
- चक्षु का बढ़ना।

सभी सरकारी अस्पतालों में नेत्र जाँच एवं उपचार की निःशुल्क सुविधा उपलब्ध है

मोतियाबिन्द का उपचार

- मोतियाबिन्द का एक मात्र उपचार ऑपरेशन है।
- इस ऑपरेशन में आँख से धुंधला लेंस निकाल दिया जाता है और कृत्रिम लेंस लगाया जाता है।
- मोतियाबिन्द का ऑपरेशन सुरक्षित एवं सरल है।
- मोतियाबिन्द का ऑपरेशन किसी भी मौसम में करवा सकते हैं।

मोतियाबिन्द की रोकथाम

- चालीस वर्ष के पश्चात नियमित रूप से आँखों की जांच कराएं।
- अपना वजन सामान्य बनाएं रखें।
- रंग-बिरंगे फलों और सब्जियों को अपने भोजन में शामिल करें।
- धूम्रपान छोड़ें और शराब का सेवन कम से कम करें।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, झारखण्ड

स्वास्थ्य, विधिवत्ता शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग, झारखण्ड सरकार

इन मिला मृत्युदंड

1	प्रमिला मोडियाम	10	महादेव नागा
2	सुमित्रा पुनेम	फैक्ट बॉक्स	
3	कोसा कपासी	हमला : 25 मई 2013	
4	मुक्ता माडवी	स्थान : झीरम घाटी, बस्तर	
5	मड़कामि देवा	मौत : 29	
6	आयत मरकाम	दोषी : 10	
7	बजामी सेना	सजा : मृत्युदंड	
8	वैतू लेकाम	गवाह : 101	
9	जोगा मड़कामि	आरोपपत्र : करीब 1000 पन्ने	
		अपील : 30 दिनों के भीतर	

के बयान दर्ज कराए। एनआईए ने वर्ष 2015 में करीब 1000 पन्नों का आरोपपत्र अदालत में दखिल किया था। अदालत में कुल 11 आरोपियों के खिलाफ सुनवाई हुई थी। इनमें से एक

आरोपी की मुकदमे के दौरान मौत हो गई, जिसके बाद 10 आरोपियों के खिलाफ सुनवाई पूरी हुई।

आईईडी विस्फोट से हुआ था हमला

25 मई 2013 की शाम कांग्रेस की परिवर्तन यात्रा सुकमा से लौट रही थी। दरभा क्षेत्र की झीरम घाटी में काफिला पहुंचते ही माओवादियों ने घात लगाकर हमला किया। पहले आईईडी विस्फोट किया गया, फिर सड़क पर पेड़ गिराकर रास्ता बंद किया गया और जंगल से काफिले पर गोलीबारी की गई। हमले में कांग्रेस के कई शीर्ष नेताओं और सुरक्षाकर्मियों की मौत हुई।

अब हाईकोर्ट की बारी

एनआईए अदालत के फैसले के बाद मामले की अगली कानूनी लड़ाई उच्च न्यायालय में होगी। मृत्युदंड की पुष्टि हाईकोर्ट को करनी होगी। ऐसे में 13 साल पुराने इस मामले में बुधवार का फैसला महत्वपूर्ण पड़ाव है, लेकिन अंतिम न्यायिक प्रक्रिया अभी बाकी है।

बड़ा सवाल : 29 जनें लेने वाले झीरम हमले में निचली अदालत का फैसला आ गया-अब हाईकोर्ट में अपील और मृत्युदंड की पुष्टि की प्रक्रिया कितनी तेजी से आगे बढ़ती है?

संक्षिप्त

23 सितंबर से फिर सक्रिय होगा मानसून

रांची। झारखंड के पाकुड़, चतरा, गुमला और देवघर में बारिश की कमी कृषि के लिए चिंता का कारण बनी हुई है। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार इन चार जिलों में अब तक सामान्य से काफी कम बारिश हुई है। हालांकि राज्य के शेष 20 जिलों में बारिश की स्थिति कृषि की दृष्टि से सामान्य है। बंगाल की खाड़ी में बन रहे निम्न दबाव के प्रभाव से 23 सितंबर से राज्य में फिर बारिश की गतिविधि बढ़ने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, एक जून से 16 सितंबर तक पाकुड़ में सामान्य 1040.9 मिलीमीटर के मुकाबले 539 मिलीमीटर बारिश हुई है। यह सामान्य से 48 प्रतिशत कम है। इसी अवधि में चतरा में सामान्य 855.3 मिलीमीटर के मुकाबले 549 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई, जो सामान्य से 36 प्रतिशत कम है। राज्य के अन्य जिलों में भी बारिश सामान्य से कम रही है। साहिबगंज में सामान्य से 26 प्रतिशत, कोडरमा में 25 प्रतिशत, हजारीबाग और गिरिडीह में 24–24 प्रतिशत, गुमला में 29 प्रतिशत, गढ़वा में 22 प्रतिशत तथा देवघर में 31 प्रतिशत कम बारिश दर्ज की गई है। मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने बताया कि झारखंड में जून से सितंबर तक मानसून का मौसम रहता है। इस अवधि में अब तक राज्य में सामान्य 920.8 मिलीमीटर के मुकाबले 871.9 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई है। उन्होंने कहा कि कृषि की दृष्टि से फिलहाल पाकुड़, चतरा, गुमला और देवघर में स्थिति खराब है, जबकि शेष 20 जिलों में बारिश की स्थिति सामान्य मानी जा सकती है। उन्होंने बताया कि बंगाल की खाड़ी में बन रहे निम्न दबाव के प्रभाव से 23 सितंबर से राज्य में बारिश की गतिविधि फिर बढ़ सकती है। मौसम विभाग ने 17 सितंबर को राज्य में आकाशीय बिजली गिरने को लेकर येतो अलर्ट जारी किया है। इधर, रांची और आसपास के इलाकों में बुधवार को सुबह से ही गर्मी और उमस का अमर रहा। दोपहर बाद मौसम बदला और शहर के कई हिस्सों में गर्जन के साथ अच्छी बारिश हुई। बारिश के बाद लोगों को गर्मी और उमस से राहत मिली। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक 65 मिलीमीटर बारिश दुमका जिले के जामा में रिकॉर्ड की गई। वहीं, पूर्वी सिंहभूम के बहरागोड़ा में राज्य का सर्वाधिक 37 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। सबसे कम तापमान 20.1 डिग्री सेल्सियस लातेहार में रिकॉर्ड हुआ। बुधवार को रांची में अधिकतम तापमान 31.1 डिग्री और न्यूनतम 22.8 डिग्री सेल्सियस रहा। जमशेदपुर में अधिकतम 35.5 और न्यूनतम 25 डिग्री, डालतगंज में अधिकतम 34.6 और न्यूनतम 26.3 डिग्री, बोकारो में अधिकतम 35.5 और न्यूनतम 25.2 डिग्री तथा चाईबासा में अधिकतम 35.4 और न्यूनतम 24.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

फाउंडेशन ने सेवा पखवाड़ी में मनाया प्रधानमंत्री का जन्मदिन

रांची। सामाजिक संस्था शिवा फाउंडेशन की ओर से पहाड़ी मंदिर रांची के पीछे स्थित फुजन हेल्प नकू-बधिर आश्रम में बुधवार को सेवा पखवाड़ा के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 76 वां जन्मदिन सेवा एवं सामाजिक सरोकार के रूप में मनाया गया। इस दौरान आश्रम के बच्चों के बीच भोजन, फल, मिठाई, शिक्षण सामग्री, खेल सामग्री सहित दैनिक उपयोग की जरूरत के सामान का वितरण किया गया। आश्रम के बच्चों को किताबें, कॉपियां, पेंसिल, रबर, कटर, चॉकलेट, बिरिकट, फल, मिठाइयां और खेल सामग्री दी गई। सामग्री पाकर बच्चों के चेहरे पर खुशी दिखाई दी। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दीं, जिसकी अतिथियों ने सराहना की। आयोजकों ने कहा कि प्रधानमंत्री के जन्मदिन को केवल उत्सव तक सीमित रखने के बजाय जरूरतमंदों के बीच सेवा और खुशियां साझा करने के उद्देश्य से कार्यक्रम आयोजित किया गया। उन्होंने कहा कि विशेष बच्चों के बीच समय बिताना और उनकी जरूरतों में सहयोग करना सामाजिक जिम्मेदारी का हिस्सा है। शिवा फाउंडेशन के प्रतिनिधियों ने बताया कि संस्था आगे भी शिक्षा, स्वास्थ्य, सेवा और सामाजिक जागरूकता से जुड़े कार्यक्रम आयोजित करती रहेगी।

●●●●

आधी रात सड़कों पर उतरे एसएसपी राकेश रंजन, पियक्कड़ों को खदेड़ा

रांची के संवेदनशील इलाकों में औचक छापेमारी जैसा निरीक्षण, खुले में शराब और अड़ैबाजी पर पुलिस का डंडा

कई जगह लोग खुले में शराब पीते और अड़ैबाजी करते मिले

नवप्रदेश संवाददाता

रांची। राजधानी रांची में अपराध पर शिकंजा कसने के लिए पुलिस ने रात में मोर्चा संभाल लिया है। एसएसपी राकेश रंजन ने मंगलवार देर रात पुलिस अधिकारियों के साथ शहर के कई संवेदनशील और हॉटस्पॉट इलाकों का औचक निरीक्षण किया। अचानक पुलिस के पहुंचते ही सार्वजनिक स्थानों पर अड़ैबाजी और खुले में शराब पीने वालों में हड़कंप मच गया। पुलिस ने ऐसे लोगों को मौके से खदेड़ा और दोबारा जमावड़ा नहीं लगाने की चेतावनी दी।

इन जगहों पर पहुंचे एसएसपी

एसएसपी ने तिलता चौक, कटहल मोड़, ओटीसी ग्राउंड, बड़ा तालाब परिसर और अरगोड़ा चौक सहित आसपास के इलाकों का जायजा लिया। इन क्षेत्रों में असामाजिक तत्वों के जमावड़े और सदिग्ध गतिविधियों की शिकायतें मिलने के बाद पुलिस की सक्रियता बढ़ाई गई है।



अतिक्रमण हटाने के दौरान बवाल, पथराव व लाठीचार्ज

सैटेलाइट चौक के पास झड़प में पुलिसकर्मी व प्रदर्शनकारी घायल, छह से अधिक हिरासत में

नवप्रदेश संवाददाता

रांची। राजधानी रांची के सैटेलाइट चौक के पास एचईसी की जमीन से अतिक्रमण हटाने के दौरान बुधवार को जमकर बवाल हुआ। कार्रवाई का विरोध कर रहे बस्तीवासियों और पुलिस के बीच झड़प हो गई। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पथराव किया और महिला पुलिसकर्मीयों के साथ धक्का-मुक्की एवं मारपीट की। स्थिति बिगड़ने पर पुलिस ने लाठीचार्ज कर भीड़ को तितर-बितर किया। घटना में कुछ प्रदर्शनकारी और पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। पुलिस ने मौके से छह से अधिक लोगों को हिरासत में लिया है। अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई को देखते हुए सुबह से ही मौके पर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात था। प्रशासनिक अधिकारियों की टीम बस्तीवासियों को समझाकर कार्रवाई में सहयोग करने की अपील कर रही थी। इसी दौरान कई लोग जेसीबी के सामने बैठकर विरोध करने लगे। कुछ प्रदर्शनकारी जेसीबी पर भी चढ़ गए। पुलिस ने उन्हें नीचे उतारने की कोशिश की, जिसके बाद मौके पर तनाव बढ़ गया और भीड़ की ओर से पुलिस पर पथराव शुरू हो गया। हटिया के पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) नीरज ने बताया कि अतिक्रमण हटाने गई टीम पर हमला किया गया। भीड़ की ओर से किए गए पथराव में कई पुलिसकर्मीयों को चोटें आई हैं। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने हल्का लाठीचार्ज किया। उन्होंने बताया कि मामले में छह से अधिक लोगों को हिरासत में लिया गया है। पुलिस पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है और

पथराव तथा पुलिसकर्मीयों के साथ मारपीट करने वालों की पहचान की जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कार्रवाई शुरू होने से पहले ही बड़ी संख्या में बस्तीवासी मौके पर जुट गए थे। लोगों ने जेसीबी को आगे बढ़ने से रोकने के लिए उसके सामने बैठकर विरोध शुरू कर दिया। कुछ लोग जेसीबी पर चढ़ गए। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को हटाने में सफल नहीं हो पाया। इसके बाद दोनों पक्षों के बीच कहासुनी बढ़ गई और देखते ही देखते स्थिति झड़प में बदल गई। पुलिस और प्रशासन की ओर से लोगों से शांत रहने तथा कार्रवाई में बाधा नहीं डालने की अपील की गई। लेकिन प्रदर्शनकारियों के विरोध के बाद स्थिति तनावपूर्ण हो गई। पथराव के बाद पुलिस ने भीड़ को पीछे हटाने के लिए लाठीचार्ज किया। वहीं, बस्तीवासियों का कहना है कि वे वषों से इस स्थान पर रह रहे हैं। अचानक घरों को तोड़े जाने से उनके सामने रहने का संकट खड़ा हो जाएगा। लोगों ने प्रशासन से अतिक्रमण हटाने से पहले वैकल्पिक आवास की व्यवस्था करने की मांग की है। प्रदर्शन कर रहे लोगों का कहना था कि बस्ती में छोटे बच्चे और बुजुर्ग भी रहते हैं। यदि घर तोड़े जाते हैं तो उनके सामने रहने की गंभीर समस्या पैदा होगी। लोगों ने सवाल उठाया कि बिना वैकल्पिक व्यवस्था के उन्हें हटाए जाने के बाद वे कहाँ जाएंगे। कुछ बस्तीवासियों ने आरोप लगाया कि प्रशासन की ओर से पहले बस्ती नहीं तोड़े जाने की बात कही गई थी, लेकिन बाद में दोबारा जेसीबी लाकर कार्रवाई शुरू कर दी गई। इसी के विरोध में लोगों ने सभी जेसीबी को



घेर लिया और कहा कि जब तक उनकी मांगों पर सुनवाई नहीं होती, मशीनों को आगे नहीं बढ़ने दिया जाएगा। बस्तीवासियों ने एचईसी की जमीन पर लंबे समय से रह रहे परिवारों के पुनर्वास की मांग भी उठाई। उनका कहना है कि सरकार

को पहले स्थायी या वैकल्पिक आवास की व्यवस्था करनी चाहिए और इसके बाद ही अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जानी चाहिए। अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के मद्देनजर इलाके में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है। प्रशासन

की ओर से कहा गया है कि कार्रवाई जिला प्रशासन के आदेश के तहत की जा रही है। अधिकारियों के मुताबिक, एचईसी की जमीन पर जो भी निर्माण अतिक्रमण की श्रेणी में आता है, उसे आदेश के अनुसार हटाया जाएगा।

रांची। झारखंड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) और झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) से जुड़े मामलों में राज्य सरकार की ओर से अपराध जांच विभाग (सीआईडी) की जांच रिपोर्ट उच्च न्यायालय में बंद लिफाफे में पेश किए जाने पर सवाल उठाया है। उन्होंने पूछा कि रिपोर्ट चार सप्ताह बाद बंद लिफाफे में क्यों पेश की जा रही है और सरकार जांच से जुड़ी जानकारी सार्वजनिक करने से क्यों बच रही है। मरांडी ने बुधवार को सोशल मीडिया एक्स के माध्यम से कहा कि यह राहत की बात है कि अदालत ने रिपोर्ट दखिल करने के लिए सरकार को सिर्फ 48 घंटे का समय दिया है। उन्होंने सवाल किया कि क्या सरकार पारदर्शिता से डर रही है और 22 परीक्षाओं को रद्द करने के फैसले के पीछे ऐसी कौन-

एक नजर

राजू चौधरी बने भाजपा सुखदेव नगर

मंडल उत्तरी के उपाध्यक्ष

रांची। भारतीय जनता पार्टी रांची महानगर के सुखदेव नगर मंडल (उत्तरी) में राजू चौधरी को उपाध्यक्ष का दायित्व सौंपा गया है। संगठन की ओर से जिम्मेदारी मिलने पर राजू चौधरी ने पार्टी नेतृत्व के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि भाजपा ने उन पर जो विश्वास और स्नेह व्यक्त किया है, उसके लिए वे सदैव कृतज्ञ रहेंगे। राजू चौधरी ने कहा कि संगठन ने उन्हें जो महत्वपूर्ण दायित्व दिया है, उसका वे पूर्ण निष्ठा, समर्पण और सक्रियता के साथ निर्वहन करेंगे। उन्होंने पार्टी की विचारधारा को मजबूत करने और संगठन को बूथ स्तर तक सशक्त बनाने के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं के साथ समन्वय स्थापित कर संगठन को मजबूत करना उनकी प्राथमिकता होगी।

अमेजन नाउ ने भारत में 1 बिलियन डॉलर के वार्षिक सकल बिक्री का आंकड़ा पार किया

रांची। अमेजन ने आज घोषणा की कि उसकी अट्पा-फास्ट डिलीवरी सेवा अमेजन नाउ ने पिछले तीन महीनों में भारत में 1 बिलियन डॉलर के वार्षिक सकल बिक्री का आंकड़ा पार कर लिया है। लॉन्च के बाद से हर तिमाही अमेजन नाउ के ऑर्डर दोगुने हुए हैं, जिससे यह अमेजन इंडिया के इतिहास में सबसे तेजी से बढ़ने वाला ई-कॉमर्स बिजनेस बन गया है। समीर कुमार, कंटी मैनेजर, अमेजन इंडिया, बहुत ही कम समय में, अमेजन नाउ ने भारत में 1 बिलियन डॉलर के वार्षिक सकल बिक्री का आंकड़ा पार कर लिया है, जिससे यह अमेजन इंडिया के इतिहास में सबसे तेजी से बढ़ने वाला ई-कॉमर्स बिजनेस यूनिट बन गया है। हर तिमाही ऑर्डर दोगुने होने के साथ, हम ग्राहकों की इस प्रतिक्रिया से विनम्रता का अनुभव कर रहे हैं। हम दिवाली तक 100 शहरों में विस्तार की राह पर हैं, और मिनेटो में डिलीवरी को उतर में गुरदासपुर व होशियारपुर से लेकर दक्षिण में वेम्बयम व अलमकोड तक ले जा रहे हैं। इस त्योहारी सीजन में देशभर के ग्राहक सबसे तेज रफ्तार से सबसे व्यापक चयन की डिलीवरी की उम्मीद कर सकते हैं। कंपनी ने त्योहारी सीजन से पहले 10 हफ्तों से भी कम समय में अमेजन नाउ को 4 गुना अधिक शहरों में विस्तार देकर मिनेटो में डिलीवरी को भारत के 60 से अधिक शहरों व कस्बों तक पहुंचाया है। मेट्रो शहरों के अलावा, यह सेवा पटुबिंदी, तिरुपति, गूटूर, गुरदासपुर, जालंधर, वेल्लोर, धारवाड, वारंगल और बरहामपुर जैसे कस्बों में भी ग्राहकों को उपलब्ध है। ये ऑर्डर 750 से अधिक माइक्रो-फुलफिलमेंट और अर्बन फुलफिलमेंट केंद्रों के नेटवर्क के माध्यम से मिनेटो में डिलीवर किए जाते हैं।

सवा सौ दुकानदारों को गलत नोटिस, किरायेदार संघ ने निरस्त करने की मांग की

रांची। रांची नगर निगम द्वारा किराया वसूली और नोटिस जारी करने की प्रक्रिया में बड़ी लापरवाही को लेकर रांची नगर निगम किरायेदार संघ ने कड़ा विरोध दर्ज कराया है। संघ के अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल के नेतृत्व में व्यापारियों ने नगर आयुक्त को ज्ञापन सौंपकर सभी गलत नोटिसों को अखिल निरस्त करने की मांग की है। मुकेश अग्रवाल ने बताया कि अपर बाजार सहित निगम क्षेत्र के सवा सौ (लगभग 125) दुकानदारों का वित्तीय वर्ष 2025–26 तक का पूरा किराया अग्रिम रूप से चुकता है और किसी भी तरह का कोई बकाया शेष नहीं है। इसके बावजूद निगम के राजस्व विभाग ने बिना रिकॉर्ड का सत्यापन किए एक ही दर पर थोक भाव में दुकानदारों को बकाया वसूली का नोटिस थमा दिया है। इस गैर-जिम्मेदाराना कार्रवाई से नियमित किराया भरने वाले व्यापारियों में गहरा रोष है। संघ के अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल ने नगर आयुक्त से मांग की है कि बिना जांच और सत्यापन के सवा सौ दुकानदारों को भेजे गए सभी गलत नोटिस तत्काल प्रभाव से निरस्त किए जाएं। निगम अपने डेटाबेस और राजस्व रिकॉर्ड का व्यापारियों द्वारा जमा की गई भुगतान रसीदों से अखिल मिलान करे। ईमानदार व नियमित रूप से किराया जमा करने वाले दुकानदारों को बेवजह दी जा रही प्रशासनिक और मानसिक प्रताड़ना रोकी जाए। बिना जांचे थोक में नोटिस जारी करने वाले लापरवाह कर्मचारियों और अधिकारियों की जवाबदेही तय कर उन पर कार्रवाई हो।

एससी/एसटी एक्ट पर कांग्रेस ने केंद्र से मांगी जवाबदेही

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के प्रदेश प्रवक्ता विजय शंकर नायक ने एससी/एसटी एक्ट के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर केंद्र सरकार से जवाबदेही की मांग की है। उन्होंने कहा कि कानून और सिंधान मौजूद होने के बावजूद दलित-आदिवासी समाज से जुड़े मामलों में त्वरित और निष्पक्ष कार्रवाई सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है। नायक ने हट्टानी में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की सभा के बाद कथित शुद्धिकरण के मामले का उल्लेख करते हुए कहा कि पुलिस ने आठ सितंबर को एससी/एसटी एक्ट सहित अन्य धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की है। उन्होंने जांच की प्रगति सार्वजनिक करने की मांग की। उन्होंने बीजापुर के एकलव्य विद्यालय और बालाघाट में आदिवासी बच्चों से जुड़े कथित मामलों का भी उल्लेख करते हुए सुरक्षा एवं संस्थागत जवाबदेही पर सवाल उठाए। नायक ने कहा कि एससी/एसटी एक्ट की वास्तविक परीक्षा उसके प्रभावी और निष्पक्ष इस्तेमाल से होती है। उन्होंने केंद्र से पीड़ितों की सुरक्षा, समयबद्ध जांच और जवाबदेही सुनिश्चित करने की मांग की।

हेमंत सोरेन की याचिका पर सुनवाई पूरी, हाई कोर्ट ने आदेश रखा सुरक्षित

रांची। बड़ाई की 8.86 एकड़ जमीन से जुड़े कथित फजीवाड़े के मामले में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की याचिका पर बुधवार को झारखंड उच्च न्यायालय में सुनवाई पूरी हो गई। हेमंतसुर्ति सुजीत नारायण प्रसाद की अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद हेमंत सोरेन की ओर से दखिल हस्तक्षेप याचिका (आईए) पर अपना आदेश सुरक्षित रख लिया। हेमंत सोरेन की ओर से दखिल याचिका में रांची की विशेष पीएमएलए अदालत के उस आदेश पर 19 सितंबर तक रोक लगाने की मांग की गई है, जिसमें उनकी डिस्चार्ज पिटीशन खारिज कर दी गई थी। इसके साथ ही निचली अदालत में चल रही आगे की आपराधिक कार्रवाही पर भी रोक लगाने का अनुरोध किया गया है। सुनवाई के दौरान प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से वरीय अधिकाा अमित कुमार दास और अधिवक्ता सोरब कुमार ने पक्ष रखा। हेमंत सोरेन की ओर से वरीय अधिवक्ता मीनाक्षी अरोड़ा ने पेरवी की। मामले की जानकारी उच्च न्यायालय के अधिवक्ता धीरज कुमार ने दी। दरअसल, रांची की विशेष पीएमएलए अदालत ने आठ जून 2026 को हेमंत सोरेन की डिस्चार्ज पिटीशन खारिज कर दी थी। निचली अदालत ने ईडी की ओर से प्रस्तुत तथ्यों के आधार पर कहा था कि इस स्तर पर हेमंत सोरेन के खिलाफ प्रथम दृष्टया मामला बनता है। इसी आदेश को उन्होंने उच्च न्यायालय में चुनौती दी है। हेमंत सोरेन की ओर से दखिल क्रिमिनल रिवीजन याचिका में निचली अदालत के आदेश को रद्द करने तथा मामले में चल रही आपराधिक कार्यवाही पर रोक लगाने की मांग की गई है। मामले में नौ सितंबर को हुई पिछली सुनवाई के दौरान उच्च न्यायालय ने ईडी को जवाब दखिल करने का निर्देश दिया था। बुधवार को ईडी ने अदालत के समक्ष अपना पक्ष रखा, जिसके बाद सुनवाई पूरी करते हुए अदालत ने आदेश सुरक्षित रख लिया। बड़ाई जमीन मामले में ईडी की विशेष अदालत 14 आरोपितों के खिलाफ पहले ही आरोप गठन कर चुकी है। इनमें पूर्व राज्यस उप निरीक्षक भानु प्रताप प्रसाद, अतुं तिर्की, ऑक्टिंट वीरेंद्र कुमार सिंह, तापस घोष, शेखर कुशवाहा, मोहम्मद सद्दाम हुसैन, अकशर अली, मोहम्मद इरशाद अख्तर, कुमार राजश्री, मनोज कुमार यादव, प्रियरंजन सहाय, विपिन सिंह, विजेंद्र सिंह और सुजीत कुमार शामिल हैं।

बंद लिफाफे में सीआईडी रिपोर्ट पर बाबूलाल ने उठाए सवाल, सीबीआई जांच की मांग

रांची। झारखंड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) और झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) से जुड़े मामलों में राज्य सरकार की ओर से अपराध जांच विभाग (सीआईडी) की जांच रिपोर्ट उच्च न्यायालय में बंद लिफाफे में पेश किए जाने पर सवाल उठाया है। उन्होंने पूछा कि रिपोर्ट चार सप्ताह बाद बंद लिफाफे में क्यों पेश की जा रही है और सरकार जांच से जुड़ी जानकारी सार्वजनिक करने से क्यों बच रही है। मरांडी ने बुधवार को सोशल मीडिया एक्स के माध्यम से कहा कि यह राहत की बात है कि अदालत ने रिपोर्ट दखिल करने के लिए सरकार को सिर्फ 48 घंटे का समय दिया है। उन्होंने सवाल किया कि क्या सरकार पारदर्शिता से डर रही है और 22 परीक्षाओं को रद्द करने के फैसले के पीछे ऐसी कौन-



सी जानकारी है, जिसे वह सार्वजनिक नहीं करना चाहती। बाबूलाल ने कहा कि मामला केवल परीक्षाएं रद्द करने तक सीमित नहीं है। असली सवाल यह है कि परीक्षाओं में गड़बड़ी कैसे हुई, इसके लिए जिम्मेदार कौन है और उन लाखों अभ्यर्थियों का क्या होगा, जिन्होंने इन परीक्षाओं की तैयारी में वर्षों लगाए हैं। नेता प्रतिपक्ष ने जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा का भी उल्लेख करते हुए कहा कि पिछली बार

सीआईडी की जांच को लेकर भी कई सवाल उठे थे। उनके मुताबिक, जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा से पहले नेपाल, बिहार और बंगाल में 135 प्रश्नों के लीक होने की जानकारी सामने आई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि सीआईडी ने मामले को महज ठगी का मामला बताया और उच्च न्यायालय को गुमराह किया। मरांडी ने कहा कि झारखंड के लाखों युवाओं के मन में अब यह सवाल है कि जेपीएससी और जेएसएससी की 22 परीक्षाओं के मामले में कहीं वही स्थिति तो नहीं दोहराई जा रही है। उन्होंने कहा कि अदालत को जवाब बंद लिफाफे में दिया जा सकता है, लेकिन लाखों युवाओं के सवालनों को बंद लिफाफे में नहीं रखा जा सकता। उन्होंने युवाओं को न्याय दिलाने के लिए पूरे मामले की सीबीआई जांच की मांग की।

●●●●

●●●●

●●●●

●●●●

●●●●

●●●●

●●●●

●●●●



वाली पीढ़ियों के अस्तित्व का आधार हैं। पेड़ स्वच्छ वायु उपलब्ध कराने के साथ पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि

पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनकी नियमित देखभाल और संरक्षण भी जरूरी है। साकेत कुमार सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ह्वाएफ पेड़ मां के नामह् आह्वान

से प्रेरणा लेते हुए लोगों से अपनी मां और प्रकृति के सम्मान में पौधे लगाने तथा पर्यावरण संरक्षण को जन-आंदोलन बनाने की अपील की।

●●●●

●●●●

●●●●

●●●●

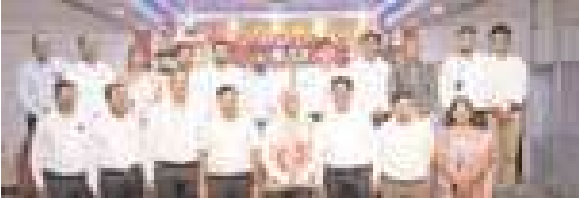
●●●●

●●●●

ग्रिजली कॉलेज ऑफ एजुकेशन में इंडिया नाउ एंड नेक्स्ट विकसित भारत 2047 विषय पर पॉडकास्ट कार्यक्रम का आयोजन

ग्रिजली कॉलेज ऑफ एजुकेशन में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के तत्वावधान में इंडिया नाउ एंड नेक्स्ट : विकसित भारत

नव प्रदेश संवाददाता कोडरमा। 2047 विषय पर पॉडकास्ट कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विनोबा भावे विश्वविद्यालय, नैजबाीबाग के कुलपति डॉ. चंद्रभूषण शर्मा, महाविद्यालय के अध्यक्ष मनीष कपसिमे, सचिव अविनाश कुमार सेठ, मुख्य परिचालन पदाधिकारी तनिष्क सेठ, प्राचार्य डॉ. मोहित कुमार तिवारी एवं अन्य सम्मानित अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन एवं माँ सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इसके पश्चात सभागार में उपस्थित सभी सदस्यों ने सामूहिक रूप से राष्ट्रीय गीत गया। तत्पश्चात मुख्य अतिथि माननीय कुलपति डॉ. चंद्रभूषण शर्मा को महाविद्यालय के मुख्य परिचालन पदाधिकारी तनिष्क सेठ द्वारा पौधा, अध्यक्ष मनीष कपसिमे द्वारा अंगवस्त्र तथा सचिव अविनाश कुमार सेठ द्वारा स्मृति, चित्र भेंट कर मुख्य अतिथि का स्वागत किया गया। कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक अम्बरीज सरकार एवं मानसी चक्रवर्ती द्वारा प्रस्तुत



सांस्कृतिक स्वागत नृत्य ने उपस्थित अतिथियों एवं सदस्यों को मंत्रमुग्ध किया। इसके उपरांत महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. मोहित कुमार तिवारी ने स्वागत भाषण प्रस्तुत कर सभागार में उपस्थित सभी सम्मानित अतिथियों एवं सदस्यों का अभिवादन किया। पॉडकास्ट संवाद में महाविद्यालय के प्रशिक्षु समीना परवीन एवं आनुष कुमार ने माननीय कुलपति डॉ. चंद्रभूषण शर्मा से शिक्षा, समाज, प्रशासन, विधि. व्यवस्था, युवा वर्ग की वर्तमान स्थिति तथा विकसित भारत 2047 के निर्माण से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण एवं समसामयिक विषयों पर प्रश्न पूछा गया जिसमें कुलपति ने प्रशिक्षुओं द्वारा पूछे गए प्रश्नों का सरल, तथ्यपरक एवं समसामयिक संदर्भों से संबद्ध उत्तर प्रस्तुत किया। उन्होंने विकसित भारत के निर्माण में युवा पीढ़ी की भूमिका पर विशेष प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत की युवा पीढ़ी विकसित भारत 2047 की प्रमुख आधारशिला है। उन्होंने युवाओं को सशक्त,

स्वावलंबी एवं उत्तरदायी नागरिक बनाने के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, उचित मार्गदर्शन, कौशल विकास तथा सकारात्मक सामाजिक वातावरण की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने शिक्षकों एवं अभिभावकों का आह्वान करते हुए कहा कि ह्रहम समाज से हैं और समाज हमसे है।ह इसलिए समाज के प्रत्येक वर्ग को साथ लेकर समावेशी एवं सक्षत विकास की दिशा में आगे बढ़ने की आवश्यकता है। उन्होंने युवाओं को ज्ञान, कौशल, नैतिक मूल्यों एवं सामाजिक उत्तरदायित्व के साथ राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया। पॉडकास्ट सत्र के उपरांत प्रश्नोत्तरी सत्र का आयोजन किया गया। इस दौरान प्रशिक्षुओं ने विभिन्न विषयों से संबंधित प्रश्न पूछे, जिनका माननीय कुलपति द्वारा विस्तारपूर्वक उत्तर दिया गया जिसमें प्रशिक्षुओं को ज्ञानार्जन, कौशल विकास, तार्किक चिंतन एवं समसामयिक विषयों की समझ विकसित करने के

लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के प्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। बैजनाथ प्रसाद स्नेही कॉलेज ऑफ एजुकेशन के प्राचार्य डॉ. भूपेंद्र ठाकुर तथा कैम्ब्रिज शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. दीपक कुमार सहित विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के सहायक प्राध्यापक, शिक्षक एवं प्रशिक्षु उपस्थित रहे तथा महाविद्यालय के बी.एड. सत्र 2025. 27 के सभी प्रशिक्षु एवं महाविद्यालय के शैक्षणिक समन्वयक सौरभ शर्मा, आई व्यू ए सी समन्वयक मनीष कुमार सिन्हा, डी एल एड समन्वयक खुशबू कुमारी सिन्हा तथा सभी सहायक प्राध्यापक डॉ. रामकृष्ण प्रसाद, डॉ. इंद्र कुमार जायसवाल, अनिल दास, सीताराम यादव, चन्नु कुमार, ब्बिनीता कुमारी एवं अन्य सहित सभी शिक्षकेत्तर कर्मचारी सूचित कुमार, दीपक कुमार पाण्डेय, आलम मुख्तार, सुधीर साव, विवेक कुमार एवं ओंकार कुमार आदि उक्त अवसर पर उपस्थिति रहे। कार्यक्रम का सफल मंच संचालन सहायक प्राध्यापक संजीत कुमार एवं धन्यवाद ज्ञापन डी.एल.एड. विभागाध्यक्ष मनीष कुमार सिंह द्वारा प्रस्तुत किया गया।

कोडरमा में क्यूआर कोड से होगी पुलिस गश्ती की निगरानी जिलेभर में 160 स्मार्ट बीट पॉइंट स्थापित



नवप्रदेश/कोडरमा। अपराध नियंत्रण, प्रभावी गश्ती, जनसुरक्षा और पुलिस. जन समन्वय को मजबूत करने के लिए कोडरमा पुलिस ने क्यूआर कोड आधारित स्मार्ट बीट पुलिसिंग व्यवस्था लागू की है। पुलिस अधीक्षक कुमार शिवाशीष के निर्देश पर जिलेभर में कुल 160 क्यूआर कोड स्थापित किए गए हैं। गश्ती दल प्रत्येक निर्धारित स्थल पर पहुंचकर क्यूआर कोड स्कैन करेंगा, जिससे भ्रमण का समय, स्थान और आवश्यक गतिविधियों का डिजिटल रिकॉर्ड तैयार होगा। सबसे अधिक 42 क्यूआर कोड तिलैया थाना क्षेत्र में, जबकि कोडरमा थाना क्षेत्र में 36, जयनगर में 20,

नवलशाही में 17, मरकच्चो में 12, डोमचांच में 11, चंदवाग और तिलैया डैम ओपी में छह-छह, सतगावां में सात तथा ढाब थाना क्षेत्र में तीन क्यूआर कोड लगाए गए हैं। एसपी द्वारा स्कैनिंग से प्राप्त डिजिटल रिकॉर्ड की नियमित समीक्षा एवं विश्लेषण किया जाएगा। गश्ती में लापरवाही मिलने पर संबंधित पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई होगी। पुलिस का कहना है कि नई व्यवस्था से क्षेत्र में पुलिस की सक्रिय मौजूदगी, त्वरित सूचना, संकलन, पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ेगी। ह्रस्मार्ट तकनीक के साथ सुरक्षित कोडरमाह की दिशा में इसे प्रभावी पहल बताया गया है।

कर्मा पूजा के महेनजर कल्याण आवासीय विद्यालयों के विद्यार्थियों के बीच मांदर का वितरण

नवप्रदेश/गुमला। आगामी कर्मा पूजा के महेनजर उपायुक्त दिलेश्वर महतो के द्वारा सर्किट हाउस परिसर स्थित सभागार में गुमला जिले के कल्याण विभाग के आवासीय विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के विद्यार्थियों के बीच पारंपरिक वाद्य यंत्र मांदर का वितरण किया गया। यह पहल विद्यार्थियों को अपनी समृद्ध आदिवासी संस्कृति, परंपरा और लोक विरासत से जोड़ने के उद्देश्य से की गई।कर्मा पूजा झारखंड की समृद्ध जनजातीय संस्कृति एवं परंपराओं से जुड़ा प्रमुख पर्व है। इस अवसर पर मांदर की थाप और पारंपरिक गीत-संगीत का विशेष महत्व है। इसी सांस्कृतिक विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने और विद्यार्थियों में अपनी जड़ों एवं परंपराओं के प्रति जुड़ाव को और मजबूत करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी विद्यार्थियों के बीच मांदर का वितरण किया गया।इस अवसर पर उपायुक्त ने विद्यार्थियों को कर्मा पूजा की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हमारी पहचान हमारी संस्कृति और परंपराओं से जुड़ी है। आधुनिकता के साथ आगे बढ़ना आवश्यक है, लेकिन अपनी सभ्यता, संस्कृति और पारंपरिक विरासत को कभी नहीं भूलना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों से अपनी लोक परंपराओं को जानने, समझने और आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि मांदर केवल एक पारंपरिक वाद्य यंत्र नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक पहचान और सामुदायिक जीवन की जीवंत अभिव्यक्ति है।उन्होंने विद्यार्थियों को कर्मा पर्व की मूल भावना प्रकृति के प्रति सम्मान, भाईचारा, सामुदायिक सहभागिता एवं सामाजिक एकजुटता को आत्मसात करने की बात कही। उपायुक्त ने कहा कि ऐसे प्रयासों से विद्यार्थियों को अपनी संस्कृति से भावनात्मक रूप से जुड़ने का अवसर मिलता है और लोक परंपराओं के संरक्षण में नई पीढ़ी की भागीदारी सुनिश्चित होती है।इस अवसर पर अपर समाहर्ता राजीव नीरज ने कहा कि जनजातीय समाज की संस्कृति केवल उस्तव्यों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें जीवन जीने की एक समृद्ध परंपरा और प्रकृति के साथ संतुलन का संदेश निहित है।

उत्तम क्षमा धर्म के साथ शुरू हुआ दसलक्षण पर्युषण महापर्व

नवप्रदेश/झुमरीतिलैया। जैन धर्म का दस दिवसीय दसलक्षण पर्युषण महापर्व बुधवार को उत्तम क्षमा धर्म के साथ श्रद्धा और भक्ति के वातावरण में शुरू हुआ। जैन मंदिर में चातुर्मास कर रहे 108 जैन संत सुयश सागर गुरुदेव ने उत्तम क्षमा धर्म की महत्ता बताते हुए कहा कि पर्युषण पर्व आत्मकल्याण का सबसे बड़ा पर्व है, जो मनुष्य को अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाता है। क्षमा वीरों का आभूषण है। जीवन में क्षमा धारण करने से परिवार और समाज में शांति स्थापित होती है तथा आपसी बैर और कटुता समाप्त होती है। उन्होंने कहा कि पर्व के दौरान श्रद्धालु संकल्प लेते हैं कि जाने-अनजाने किसी भी जीव को कष्ट नहीं पहुंचाएंगे और अपनी गलतियों के लिए क्षमा मांगेंगे। पर्युषण पर्व प्रकृति एवं पर्यावरण से जुड़कर जीवन में संयम का संदेश भी देता है। सुबह ब्रह्ममूर्त से ही महिला-पुरुष और बच्चे केसरिया व श्वेत वस्त्रों में मंदिर पहुंचे और पूजा-अर्चना में शामिल हुए। गुरुदेव ने दस दिवसीय शिविर में शामिल श्रावकों को विशेष पूजा, नियम और व्रत कराए। पंडित अभिषेक शास्त्री ने शांतिधारा पूर्व की विधि संपन्न कराई। विभिन्न परिवारों को भगवान पारसनाथ, आदिनाथ और महावीर स्वामी के अभिषेक व शांतिधारा का सौभाग्य मिला। शाम को भव्य आरती और सांस्कृतिक कार्यक्रम होगा। समाज के पदाधिकारी व चातुर्मास कमेटी कार्यक्रम की तैयारियों में जुटे हैं।

ट्रेन में गुंजी किलकारी, RPF की तत्परता से जच्चा. बच्चा सुरक्षित

नवप्रदेश/कोडरमा। ऑपरेशन मातृशक्ति के तहत रेलवे सुरक्षा बल की तत्परता से चलती ट्रेन में प्रसव पीड़ा से कराह रही महिला को समय पर चिकित्सा सुविधा मिली और जच्चा-बच्चा दोनों सुरक्षित हैं। 16 सितंबर को जितेंद्र कुमार व आरपीएफ प्रभारी दीपक कुमार के नेतृत्व में गाड़ी संख्या 132233 अप कोडरमा. दानापुर रजगृह एकप्रेस के साधारण कोच में द्यूटी के दौरान महिला काजल कुमारी (27), पति चंदन कुमार चौधरी, निवासी धरहरा, थाना मोहनपुर, गया को प्रसव पीड़ा में देखा। कुछ देर बाद महिला ने स्वस्थ बच्चों को जन्म दिया। आरपीएफ ने तत्काल फतेहपुर सामुदायिक अस्पताल से एंबुलेंस की व्यवस्था कर पहाड़पुर स्टेशन पर तैनात स्टाफ को सूचना दी। ट्रेन के 15:56 बजे प्लेटफॉर्म संस्थान तीन पर पहुंचते ही आ. रणधीर कुमार, आ. धनशेखर कुमार और पोर्टर चंदन कुमार ने स्ट्रेचर की मदद से महिला और नवजात को ट्रेन से उतारकर एंबुलेंस तक पहुंचाया। इसके बाद दोनों को सामुदायिक अस्पताल, फतेहपुर भेजा गया, जहां चिकित्सकों ने जच्चा. बच्चा दोनों को स्वस्थ बताया। महिला अपनी ननद चंदा कुमारी और दो छोटे बच्चों के साथ कोडरमा से पहाड़पुर जा रही थी।

दरभंगा में लोकाई के राम वर्णवाल सम्मानित, रक्तदान व सामाजिक सेवा में योगदान को मिली पहचान

नवप्रदेश/कोडरमा। मिथिला की ऐतिहासिक नगरी दरभंगा स्थित तारामंडल में 5 एवं 6 सितंबर को सोशल एंक्टिविस्ट वेलफेयर एसोसिएशन ऑफ भारत , नई दिल्ली के FOUNDER MEMBERS’ SUMMIT 2026 का आयोजन हुआ। डॉ. दीपक कुमार महथा के नेतृत्व में आयोजित राष्ट्रीय समिट में देशभर के 150 से अधिक सामाजिक संगठनों के संस्थापकों एवं समाजसेवियों ने भाग लिया। समिट में सामाजिक सेवा, रक्तदान, महिला सशक्तिकरण और शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले समाजसेवियों को सम्मानित किया गया। इसी क्रम में कोडरमा के लोकाई निवासी एवं रक्तबीर सेवा संघ के संस्थापक राम वर्णवाल को निरंतर सामाजिक कार्यों और रक्तदान के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए विशेष सम्मान प्रदान किया गया। रअहअह की ओर से उन्हें स्मृति चिन्ह, प्रशस्ति पत्र एवं सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया। सम्मान मिलने पर सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों ने उन्हें बधाई दी। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद मरीजों की सहायता और रक्तदान के प्रति राम वर्णवाल की निरंतर सक्रियता समाज के लिए प्रेरणादायी है। **पनसीसी शिविर में 600 कैडेट्स ने दिखाया जोश, कर्नल पारस लिंबू ने दिया अनुशासन और राष्ट्रसेवा का संदेश**
नवप्रदेश/कोडरमा। बागीटांड स्थित राजकीय पॉलिटेक्निक परिसर में 45 झारखंड बटालियन एनसीसी, कोडरमा के तत्वावधान में चल रहे 10 दिवसीय संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर के दूसरे दिन जिलेभर से आए करीब 600 कैडेट्स ने विभिन्न प्रशिक्षण गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। शिविर की शुरूआत शारीरिक प्रशिक्षण, वंदे मातरम और आर्मी सॉंग से हुई।

© 2025

झारखंड

र‍ांची, गुरुवार , 17 सितंबर , 2026 04

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

निशानेदेही पर लोहरदगा जिले से चोरी किया गया जॉन डियर ट्रैक्टर भी बरामद कर लिया है। पुलिस के अनुसार, महटिकरा निवासी प्रमोद कुमार के घर से जॉन डियर ट्रैक्टर चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई गई

थी। मामले में बड़कागांव थाना कांड संख्या 109/26, दिनांक 19 जून 2026 को धारा 303(2) बीएनएस के तहत प्राथमिकी दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया। अज्ञात आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विभिन्न स्थानों पर

गुप्तचर तैनात किए गए तथा तकनीकी शाखा की सहायता ली गई। इसी क्रम में 14 सितंबर को मिली गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने संदिग्ध शाहरुख खान, पिता रमजान खान, ग्राम सोस, थाना चान्हो, जिला

रांची को गिरफ्तार किया। पूछताछ के दौरान पुलिस के मुताबिक आरोपी ने चोरी की घटना में अपनी सलिपता स्वीकार की।आरोपी को निशानेदेही पर लोहरदगा जिले के कुडू थाना क्षेत्र अंतर्गत हंजला गांव के टोला

कौवाखाप से चोरी गया जॉन डियर ट्रैक्टर बरामद किया गया। ट्रैक्टर का चेचिस नंबर ढ 3029३७47853 बताया गया है। पुलिस ने वाहन को विधिवत जन्म कर आरोपी को 15 सितंबर को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

© 2025

निजी मकान में चल रहा था अवैध अल्ट्रासाउंड केन्द्र, मशीन जब्त

स्वास्थ्य विभाग की छापेमारी से मचा हड़कंप, संचालक मौके से फरार



संवाददाता

लातेहार। मनिका प्रखंड क्षेत्र के कसियाडीह ग्राम में निजी मकान में कथित रूप से अवैध तरीके से संचालित किए जा रहे अल्ट्रासाउंड केन्द्र पर स्वास्थ्य विभाग और पुलिस प्रशासन की संयुक्त टीम ने छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान मौके से अल्ट्रासाउंड मशीन जब्त की गई। हालांकि, केन्द्र का संचालक मौके से फरार होने में सफल रहा।

जानकारी के अनुसार, कसियाडीह के पास एक निजी मकान में बिना वैध अनुमति के अल्ट्रासाउंड मशीन लगाकर

महिला एवं पुरुषों की जांच किए जाने की सूचना स्वास्थ्य विभाग को मिली थी। गुप्त सूचना के आधार पर मनिका स्वास्थ्य केन्द्र

की प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. दिव्या क्षितिज कुजूर के नेतृत्व में मनिका पुलिस प्रशासन एवं सतबरवा पुलिस प्रशासन के

सहयोग से छापेमारी की गई। टीम ने मौके से अल्ट्रासाउंड मशीन बरामद कर जब्त कर ली।

मकान मालकिन कलावती देवी ने पूछताछ के दौरान बताया कि उक्त अल्ट्रासाउंड मशीन मनिका के चिकित्सक ओम रंजन की है। उन्होंने कहा कि मशीन के संचालन से संबंधित कागजी प्रक्रिया अथवा अनुमति के बारे में उन्हें कोई जानकारी नहीं है।

इस संबंध में मनिका स्वास्थ्य केन्द्र की प्रभारी डॉ. दिव्या क्षितिज कुजूर ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि कसियाडीह में अवैध रूप से अल्ट्रासाउंड मशीन लगाकर महिला एवं पुरुषों का

अल्ट्रासाउंड किया जा रहा है। सूचना के सत्यापन के लिए छापेमारी की गई, जहां से मशीन जब्त की गई है। उन्होंने कहा कि पूरे मामले की जांच की जा रही है। जांच पूरी होने के बाद ही मामले में स्पष्ट रूप से कुछ कहा जा सकता है।

स्वास्थ्य विभाग की इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र में अवैध रूप से संचालित स्वास्थ्य जांच केन्द्रों को लेकर भी चर्चा तेज हो गई है। विभागीय जांच के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि केन्द्र किसके द्वारा और किन नियमों के तहत संचालित किया जा रहा था

धूल-जाम से बेहाल बालूमाथ कल बंद रहेगा बाजार

बालूमाथ संवाददाता : बालूमाथ मुख्य मार्ग पर उड़ती धूल, लगातार लग रहे जाम और कोयला वाहनों के आवागमन से बढ़ती परेशानी के विरोध में व्यवसायी एवं ग्रामीण जनता ने 18 सितंबर को बालूमाथ का व्यवसायिक बाजार बंद रखने का निर्णय लिया है। बुधवार को चट्टी टोला स्थित प्रजापति भवन में व्यवसायियों एवं ग्रामीणों की विशेष बैठक में सर्वसम्मति से सकेतिक बंद का निर्णय लिया गया।बैठक में व्यवसायियों एवं ग्रामीणों ने कहा कि कुछ दिन पूर्व टमटमटोला चौक से प्रखंड कार्यालय तक शांतिपूर्ण पैदल मार्च निकालकर अंचलाधिकारी एवं थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपा गया था। लोगों का कहना है कि ज्ञापन सौंप जाने के बावजूद अब तक समस्या के समाधान को लेकर कोई ठोस पहल नजर नहीं आई है।व्यवसायियों ने कहा कि मुख्य मार्ग पर उड़ती धूल से

दुकानों में रखा सामान प्रभावित हो रहा है। धूल के कारण सांस लेने में परेशानी और आंखों में जलन की शिकायत हो रही है, जबकि जाम के कारण सड़क पर दुर्घटना की आशंका बनो रहती है।घरों की साफ-सफाई में भी लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही है। महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों के बाजार आने-जाने पर भी इसका असर पड़ रहा है।बैठक में व्यवसायियों एवं ग्रामीणों ने प्रशासन से धूल और जाम की समस्या का स्थायी समाधान कराने तथा कोयला वाहनों के परिचालन को व्यवस्थित करने की मांग की।व्यवसायियों ने कहा कि 18 सितंबर को सकेतिक बाजार बंद कर प्रशासन का ध्यान समस्या की ओर आकृष्ट कराया जाएगा। इसके बावजूद यदि मांगों पर ठोस कार्रवाई नहीं होती है, तो आगे अनिश्चितकालीन व्यापार बंद करने का निर्णय लिया जा सकता है।

पोषण माह एवं बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत एक पेड़ माँ के नाम कार्यक्रम आयोजित

लातेहार : पोषण माह एवं बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के अवसर पर आज जिला कार्यालय परिसर स्थित वेयर हाउस में ह्यूएक पेड़ माँ के नामह् कार्यक्रम के तहत उपायुक्त संदीप कुमार एवं उप विकास आयुक्त सैय्यद रियाज अहमद द्वारा फलदार पौधारोपण किया गया। इस अवसर पर उपायुक्त संदीप कुमार ने पौधारोपण के माध्यम से बेटी के सम्मान का संदेश देते हुए समाज के सभी लोगों से बेटी के जन्म पर पौधारोपण करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इस पहल से बेटियों के प्रति सम्मान और पर्यावरण संरक्षण, दोनों को बढ़ावा मिलेगा।

कार्यक्रम के माध्यम से समाज में बेटी के महत्व के साथ-साथ पर्यावरण संतुलन बनाए रखने तथा



प्रत्येक घर में पोषण वाटिका विकसित करने का संदेश दिया गया।

उपस्थित सेविकाओं को संबोधित करते हुए उप विकास आयुक्त सैय्यद रियाज अहमद ने गृह भ्रमण के माध्यम से अपने-

अपने पोषक क्षेत्रों में सभी परिवारों को इस पोषण माह के दौरान फलदार पौधे लगाने के लिए प्रेरित एवं निर्देशित किया। उन्होंने पोषण वाटिका के माध्यम से परिवारों में पोषणयुक्त आहार की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर बल दिया।

मौके पर जिला समाज कल्याण पदाधिकारी श्रीमती सविता कुमारी, बाल विकास परियोजना पदाधिकारी श्रीमती अनीता कुमारी, महिला पर्यवेक्षक श्रीमती अनीता कुमारी, सेविकाएं एवं लाभुक उपस्थित रहे।

बिजली का तार क्षतिग्रस्त होने से कई घंटे आपूर्ति रही ठप, लोगों ने पेड़ हटाने की मांग की



लातेहार : जिले में बुधवार को तेज आंधी-तूफान के साथ हुई बारिश ने जनजीवन को प्रभावित किया। तेज हवा के कारण लातेहार परिवहन विभाग के पास सड़क किनारे लगा एक पेड़ गिर गया। पेड़ के सड़क पर गिरने से कुछ समय के लिए यातायात बाधित हो गया और राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ा। पेड़ गिरने के कारण बिजली का तार भी क्षतिग्रस्त हो गया,

जिससे आसपास के इलाके में कई घंटे तक बिजली आपूर्ति बाधित रही। बिजली नहीं रहने से स्थानीय लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। सड़क पर पेड़ गिरने के बाद आवागमन प्रभावित होने से लोगों में समस्या देखी गई।स्थानीय लोगों ने नगर पंचायत से तत्काल पेड़ को सड़क से हटाने और क्षतिग्रस्त बिजली तार की मरम्मत कराकर बिजली आपूर्ति बहाल कराने की मांग की है।

बालूमाथ में सरकारी भूमि की मापी अतिक्रमणकारियों को हटने का निर्देश

बालूमाथ संवाददाता : बालूमाथ प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत बाजार टांडा एवं कन्या मध्य विद्यालय परिसर की भूमि पर अतिक्रमण की शिकायतों को लेकर बुधवार को प्रशासन की मौजूदगी में भूमि की मापी कराई गई। अंचलाधिकारी बालेश्वर राम के निर्देश पर अमीन अमित कुमार एवं मोहम्मद अजहरुद्दीन तथा संबंधित कर्मचारी की मौजूदगी में जमीन की पैमाइश की गई।मापी के दौरान सरकारी भूमि की सीमाओं की जांच करते हुए अतिक्रमित हिस्सों को चिन्हित किया गया। इस दौरान जिन लोगों द्वारा सरकारी भूमि पर

बाजार टांडा और कन्या मध्य विद्यालय की जमीन की हुई जांच-पड़ताल, नहीं हटने पर होगी कानूनी कार्रवाई:



अतिक्रमण कर रखा गया है, उन्हें चिन्हित स्थान को खाली करने का

निर्देश दिया गया। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि निर्धारित समय के बाद

गोल्डन आवर में घायल की मदद करें, बनें गुड सेमेरिटन सरकार देगी 2 हजार तक का इनाम और पूरी कानूनी सुरक्षा

पुलिस या कोर्ट की जांच में बुलाए जाने पर प्रतिदिन एक हजार रुपये देने का भी प्रावधान



लातेहार : उपायुक्त संदीप कुमार ने जिले के सभी नागरिकों से अपील की है कि सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति की निस्वार्थ भाव से मदद करें और उसके जीवन को बचाने में भागीदार बनें।

गुड सेमेरिटन

गुड सेमेरिटन या नेक इंसान वह मददगार व्यक्ति है जो सड़क दुर्घटना या किसी आपात स्थिति में फंसे घायल व्यक्ति को बिना किसी स्वार्थ, दुश्मनी या इनाम की उम्मीद के तुरंत अस्पताल या सुरक्षित जगह पहुंचाता है। झारखण्ड गजट 23 सितंबर 2022 के अनुसार गुड सेमेरिटन एक ऐसा नेक व्यक्ति होता है जो घायल को बिना किसी विशेष संबंध और वित्तीय लाभ की अपेक्षा के मदद करता है।

गुड सेमेरिटन कानून क्या सुरक्षा देता है?

1. पूरी कानूनी सुरक्षा: यह कानून मदद करने वाले को पुलिस और कानूनी मामलों से पूरी सुरक्षा देता है। नेक नीयत से मदद

करने वाले पर किसी भी प्रकार की आपराधिक या सिविल कार्रवाई नहीं की जा सकती।

2. परेशानी से मुक्ति: मददगार व्यक्ति से पुलिस या अस्पताल में जबरन पूछताछ या गवाही देने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता। उसे अनावश्यक रूप से अस्पताल में रोका नहीं जाएगा।

3. पहचान गुप्त रखने का अधिकार: यदि मददगार अपनी पहचान नहीं बताना चाहता, तो वह बिना नाम-पता बताए जा सकता है। पुलिस उसे पहचान बताने के लिए बाध्य नहीं कर सकती। विशेष परिस्थिति में ही गवाही के लिए बुलाया जाएगा।

4. मानदेय का प्रावधान: यदि पुलिस या कोर्ट की जांच में गवाही के लिए बुलाया जाता है, तो प्रत्येक दिन के लिए 1,000 रुपये मानदेय/यात्रा भत्ता के रूप में उसके बैंक खाते में दिया जाएगा।

ओबीसी आरक्षण और रजिस्टर-2 के अनुसार ऑनलाइन रसीद को लेकर राजद करेगी आंदोलन



लातेहार। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) लातेहार जिला इकाई की महत्वपूर्ण बैठक जिला कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष रामप्रवेश यादव ने की। इसमें जिले के सभी प्रखंडों से पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित हुए। बैठक में पार्टी के आगामी कार्यक्रमों एवं पूर्व के कार्यों की समीक्षा करते हुए विभिन्न जनसमस्याओं को लेकर आंदोलन की रणनीति पर चर्चा की गई। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि लातेहार जिले में ओबीसी समुदाय को वर्तमान में आरक्षण का लाभ नहीं मिल रहा है। राजद ने ओबीसी के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण लागू करने की मांग की। इसके साथ ही जिले में हुए सर्वे में दर्ज ज़ुटियों को सुधारने तथा रजिस्टर-2 के अनुसार ऑनलाइन रसीद काटने की मांग को प्रमुखता से उठाया गया। जिला अध्यक्ष रामप्रवेश यादव ने बताया कि इन मांगों को लेकर उपायुक्त को आवेदन दिया गया है। इससे पहले मुख्यमंत्री को भी आवेदन देकर समस्याओं के समाधान की मांग की गई थी, लेकिन अब तक कोई ठोस पहल नहीं हुई है। राजद ने निर्णय लिया है कि यदि एक माह के भीतर इन मांगों पर कार्रवाई नहीं की गई, तो लातेहार जिले में बड़ा आंदोलन किया जाएगा। संतोष यादव को प्रखंड से जिला में जिला सचिव बनाया गया सभी ने संतोष यादव को बधाई दिया। बैठक में बल्ली यादव, मोहर सिंह यादव, देववंश यादव, पिछड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष राजू रंजन प्रसाद, प्रदेश सचिव रंजीत यादव, बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष राज नारायण गिरी, युवा जिलाध्यक्ष दीपक यादव, भोला सिंह, वीरेंद्र यादव, मनोज यादव, सुरेश राम, निजाम अंसारी, संतोष यादव, इमरान अंसारी एवं चेतन यादव समेत अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सदर अस्पताल के आईसीयू वार्ड में पहुंचे झामुमो नेता प्रभात कुमार, मरीजों की शिकायत पर डॉक्टरों को दिए निर्देश



लातेहार। प्रभात कुमार ने ड्यूटी पर तैनात चिकित्सकों से कहा कि आईसीयू सहित अन्य वार्डों में मरीजों की स्थिति पर लगातार नजर रखी जाए। उन्होंने सुबह और शाम नियमित रूप से चिकित्सकों द्वारा राउंड लगाए जाने को जरूरी बताया, ताकि मरीजों को समय पर उपचार और आवश्यक चिकित्साकीय सुविधा मिल सके। उन्होंने अस्पताल परिसर और वार्डों में साफ-सफाई व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने की बात भी कही। उन्होंने कहा कि अस्पताल में इलाज कराने आने वाले मरीजों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। मरीजों की शिकायतों का समय पर समाधान और बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराना प्राथमिकता होनी चाहिए। निरीक्षण के दौरान अकिंत पाण्डेय, चंदन कुमार, आनंद पासवान और चौकू गुप्ता सहित अन्य लोग मौजूद थे।

उपायुक्त ने अनुमंडल कार्यालय का किया औचक निरीक्षण, विभिन्न शाखाओं के कार्यों का लिया जायजा



लातेहार। लातेहार उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी संदीप कुमार द्वारा आज अनुमंडल कार्यालय, लातेहार का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यालय में संचालित विभिन्न कार्यों एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस क्रम में उपायुक्त ने जिला अभिलेखागार (मॉडर्न रिर्काईड रूम) का अवलोकन किया और अभिलेखों के रख-रखाव एवं संबंधित कार्यों के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। उन्होंने विशेष गहन पुनरीक्षण (रकम) के तहत चल रहे कार्यों का भी निरीक्षण कर उसकी प्रगति का जायजा लिया। इसके अतिरिक्त उपायुक्त द्वारा अनुमंडल कार्यालय परिसर स्थित कंट्रोल रूम एवं जिला पर्यटन कार्यालय का भी निरीक्षण किया गया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से कार्यों एवं व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के उपरांत उपायुक्त ने नवनिर्मित कंट्रोल रूम का भी अवलोकन किया तथा यहां उपलब्ध सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कार्यों में गुणवत्ता, सुव्यवस्था एवं समयबद्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त सैय्यद रियाज अहमद, अनुमंडल पदाधिकारी लातेहार श दिनेश कुमार, संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।

विकास योजनाओं में अनियमितता की आशंका, आरटीआई से तस्लीम खान ने मांगे अभिलेख

बरवाडीह (लातेहार)। प्रखंड क्षेत्र में संचालित विभिन्न विकास योजनाओं में अनियमितता एवं भ्रष्टाचार की आशंका को लेकर आरटीआई कार्यकर्ता तस्लीम खान ने संबंधित पदाधिकारियों से सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत महत्वपूर्ण अभिलेखों की मांग की है। उन्होंने योजनाओं की



वास्तविक स्थिति और सरकारी राशि के खर्च में पारदर्शिता की जांच के उद्देश्य से प्राक्कलन, मापी पुस्तिका (एम्पी), एपीमेंट, कार्यादेश, कार्य पूर्ण होने की तिथि समेत अन्य आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराने की मांग की है। आरटीआई के तहत मांगी गई सूचनाओं में बरवाडीह प्रखंड के अहिरपुरवा ग्राम में संचालित पीसीसी पथ एवं नाली निर्माण कार्य, छेचा में पीडब्ल्यूडी रोड से यादव टोला होते हुए आरईओ रोड तक पीसीसी पथ निर्माण तथा पंचायत केचकी में पीडब्ल्यूडी रोड हड़पडवा से कंचनपुर पश्चिम टोला तक पीसीसी पथ निर्माण कार्य से संबंधित अभिलेख शामिल हैं। तस्लीम खान ने संबंधित विभाग से योजनाओं की स्वीकृति, प्राक्कलित राशि, कार्यादेश, कार्य पूर्ण कराने की निर्धारित अवधि, भुगतान की स्थिति, मापी पुस्तिका में दर्ज कार्य की मात्रा तथा निर्माण में प्रयुक्त सामग्री से संबंधित जानकारी भी मांगी है। उनका कहना है कि क्षेत्र में सरकारी योजनाओं के तहत लाखों रुपये खर्च किए जा रहे हैं, लेकिन कई स्थानों पर योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर ग्रामीण जवाबदारी उठाते रहे हैं। ऐसे में योजनाओं से जुड़े सरकारी अभिलेखों की जानकारी सामने आना जरूरी है। उन्होंने कहा कि मापी पुस्तिका में दर्ज कार्य की वास्तविक मात्रा, गुणवत्ता और भुगतान से संबंधित विवरण का मिलान करने पर यह स्पष्ट हो सकेगा कि निर्माण कार्य स्वीकृत प्राक्कलन एवं निर्धारित मापदंड के अनुरूप हुआ है या नहीं। आरटीआई के माध्यम से प्राप्त दस्तावेजों का अध्ययन करने के बाद यदि किसी प्रकार की अनियमितता सामने आती है तो मांगते को संबंधित विभाग के परीय अधिकारियों के समक्ष रखा जाएगा। तस्लीम खान ने स्पष्ट किया कि सूचना मांगने का उद्देश्य किसी व्यक्ति विशेष पर आरोप लगाना नहीं, बल्कि सरकारी योजनाओं में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना है। अब संबंधित पदाधिकारियों द्वारा मांगी गई सूचनाएं उपलब्ध कराए जाने के बाद ही योजनाओं की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

संपादकीय



कर्मचारियों को सामाजिक सुरक्षा कवच

नर्मदा नदी भविष्य निधि सोल्टन (ईपीएफओ) के तहत अनिवार्य करकेज के लिए वित्तन सीमा की 15 हजार रुपये से बढ़ाकर 25 हजार रुपये प्रति माह करने का फैसला केवल एक प्रशासनिक संशोधन नहीं, बल्कि बदलती रोजगार व्यवस्था और श्रमिकों की सामाजिक सुरक्षा के लिहाज से महत्वपूर्ण कदम है। केंद्रीय मंत्रिमंडल के यह निर्णय 51 लाख से अधिक अतिरिक्त कर्मचारियों को ईपीएफओ के दायरे में लाने का रास्ता खोलता है। लंबे समय से वेतन और महंगाई में हो रही कमी को देखते हुए यह बदलाव अपेक्षाकृत भी था। ईपीएफ की वेज सॉलिंग का सीधा अर्थ है कि अनिवार्य पीएफ योगदान की गणना के लिए अधिकतम किन्तम मासिक वेतन को आधार माना जाएगा। वर्ष 2014 में सीमा 15 हजार रुपये की गई थी। इसके बाद एक दशक से अधिक समय में अर्थव्यवस्था, रोजगार बाजार और कर्मचारियों की आय में उल्लेखनीय बदलाव आया है, ऐसे में पुरानी सीमा बड़ी संख्या में ऐसे कर्मचारियों को औपचारिक सामाजिक सुरक्षा से बाहर रख रही है, जिनकी आय अब उस सीमा से ऊपर पहुंच चुकी थी। नई सीमा का संसेर्जन महत्वपूर्ण पहलू इसका कारण है। अब 25 हजार रुपये तक मासिक वेतन पाने वाले कर्मचारियों को अनिवार्य ईपीएफ करजेज का लाभ मिल सकेगा। इसका मतलब है कि लाखों कामगारों के लिए भविष्य निधि, पेंशन और सेवानिवृत्ति के बाद आर्थिक सुरक्षा की व्यवस्था मजबूत होगी। निजी क्षेत्र में काम करने वाले निम्न और मध्यम आय वर्ग के कर्मचारियों के लिए यह विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि निर्गमन नौकरी समाप्त होने या आय रुकने की स्थिति में भविष्य निधि एक महत्वपूर्ण वित्तीय सहाय बनती है, लेकिन इस फैसले की सफलता केवल सीमा बढ़ने से तय नहीं होगी। असली चुनौती इसके प्राप्तीय कार्यान्वयन की है। देश में बड़ी संख्या में कर्मचारी ऐसे हैं, जो औपचारिक रोजगार व्यवस्था से बाहर हैं, जहां क्षेत्रों में टेका, अनस्थायी और अनियमित रोजगार का विस्तार हुआ है। ऐसे में जरूरी है कि नई व्यवस्था का लाभ कारगजों तक सीमित न रहे और पात्र कर्मचारियों का वास्तविक पंजीकरण सुनिश्चित हो। सरकार पर भी इसका वित्तीय दायित्व अनुमान के अनुसार मौजूद 10,250 करोड़ रुपये की वार्षिक बजट सहायता के मुकाले सरकारी खर्च लगभग 11,339 करोड़ रुपये सालाना हो सकता है। यानी करीब 1,089 करोड़ रुपये का अतिरिक्त वार्षिक भार और पांच वर्षों में लगभग 56,696 करोड़ रुपये का अनुमानित व्यय होगा। यह खर्च महंग बजटीय चालि है, बल्कि श्रमिकों की सामाजिक सुरक्षा में निवेश के रूप में देखा जाना चाहिए। हालांकि, सरकार को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि नियोक्ताओं पर बढ़ने वाला अनुपालन बोझ रोजगार सृजन को प्रभावित न करे। इसके लिए सरल निष्क्रम, पारदर्शी प्रक्रिया और डिजिटल अनुपालन व्यवस्था जरूरी होगी। आखिरकार सामाजिक सुरक्षा किसी कर्मचारी का विशिषाधिकार नहीं, बल्कि समानजनक रोजगार व्यवस्था का आवश्यक हिस्सा है। वेतन सीमा में वृद्धि बदलती आर्थिक वास्तविकता के अनुरूप एक जरूरी कदम है। अब अमली कसौटी यह होगी कि 51 लाख नए संभावित लाभार्थियों तक यह सुरक्षा किन्तम प्रभावित, पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से पहुंचती है। सीमा बढ़ना शुक्रान्त है, सामाजिक सुरक्षा का वास्तविक लाभ पहुंचाना असली लक्ष्य होगा चाहिए।

मुद्दा

समान नागरिक संहिता पर देश की सियासत

डॉ. अरविंद नाथ तिवारी

ममन नारिकर संहिता (यूसीसी) को लेकर एक बार फिर बहस नते हो गई है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हाल में (घोषणा) कि सन् 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबन्धन (एनडीए) शासित सन्सी 21 राज्यों में समान नारिकर संहिता लागू की जाएगी। इस घोषणा के बाद विहार में एनडीए के प्रचल दलों के बीच इस मुद्दे पर अलग-अलग दृष्टिकोण समाने आए हैं। जनाल दल यूनाइटेड (जेडीयू) ने विवेक के प्रवाधानों और विभिन्न वर्गों से व्यापक चर्चा की आवश्यकता बताई है, जबकि लोक जनशक्ति पार्टी (रामलालपुर) ने भी अतिम नित्य से पहले संहित पक्ष की राय लेने पर जोर दिया है। इसी बीच राष्ट्रीय जनाल दल (आरजेडी) नेता भाई वीरेंद्र ने जेडीयू को भाजपा को साथ छोड़कर आरजेडी के साथ विहार में सरकार बनाने को प्रस्ताव दिया है। उनके बयानों को विहार में पिछले की और से एनडीए की भीतर समिति महर्षदों को राजनीतिक मुद्दा बनाने की कोशिश के रूप में देखा जा सकता है। हालांकि, किसी गठबन्धन के भविष्य को निर्धारण केवल किसी एक नेता के बयान से नहीं बलिक दलों के आधिकारिक नित्य, नेतृत्व की रणनीति और राजनीतिक परिस्थितियों से होता है। समान नारिकर संहिता को उद्देश्य राय के सन्सी नारिकरों के लिए विवाह, तलाक, उत्तराधिकार, गोद लेने और परिवार से जुड़े कुछ अन्य निजी मामलों में समान कानूनी व्यवस्था स्थापित करना है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 44 में राज्य को जो भारत में नारिकरों के लिए समान नारिकर संहिता सुनिश्चित करने का प्रयास करने का निर्देश दिया गया है। हालांकि, यह प्रवाधान नीति-निर्देशक तत्वों में आता है और सत्य किसी तलाक लागू होने वाले कानून को रूप नहीं है। समान नारिकर संहिता समर्थकों का तर्क है कि नारिकरों के निजी अधिकारों में धर्म के आधार पर अंतर नहीं होना चाहिए। उनके अनुसार, महिला अधिकारों की बात, लैंगिक समानता और न्यायिक स्पष्टता के लिए एक समान कानूनी दायें उपयोगी हो सकता है। दूसरी ओर, इसके आलोचक आंशका जताते हैं कि यदि कानून तैयार करने सत्य धार्मिक, सांस्कृतिक और जनानीतिक विविधताओं को ध्यान ध्यान नहीं रखा गया तो इससे सामाजिक असहमति पैदा हो सकती है इसलिए सन्सी की वास्तविक प्रकृति उत्तर घोषित उद्देश्य से अधिक उच्चरे ठोस प्रवाधानों पर निर्भर करेगी। अमित शाह की घोषणा ने एनडीए के सन्सी एक महत्वपूर्ण राजनीतिक और नीतिगत प्रश्न खड़ा किया है। भाजपा समान नारिकर संहिता को अपने प्रमुख नीतिगत उद्देश्यों में गिनती रही है लेकिन एनडीए एक बहुदलीय गठबन्धन है, जिसमें अलग-अलग राज्यों की सामाजिक संरचना, राजनीतिक प्राथमिकताएं और मतदाता समूहों को ध्यान में रखते वाले दल शामिल हैं। जेडीयू का कहना है कि यूसीसी के प्रवाधान समान आने के बाद ही पार्टी अपना अंतिम रथ ठक करेगी। पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष सजय झा ने इस विषय पर केंद्रीय नेतृत्व से बातचीत की आवश्यकता जताई है, इसी तरह लोजपा (रामलालपुर) ने भी विभिन्न वर्गों और संबधित पक्षों से विमर्श के बाद नित्य लेने की बात कही है। जेडीयू की यह सवाधानी केवल राजनीतिक रणनीति नहीं बलिक सन्सी दावे और सामाजिक विविधता से जुड़े प्रश्नों को भी समाने लाती है। किसी राय में ऐनी कानूनों में व्यापक बदलाव का असर परिवार, संपत्ति, विवाह और सामाजिक परंपराओं पर पड़ सकता है, ऐसे में राज्य सरकारों, विधि विशेषज्ञों, महिला संगठनों, धार्मिक समुदायों और नारिकर समाज से संवाद करना निजी निर्माण की स्वाभाविक प्रक्रिया हो सकती है। विहार के संदर्भ में यह बहस इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि राज्य की राजनीति में सामाजिक न्याय, पिछड़े वर्गों, अपरचर्यताओं और क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व के प्रश्न लेबे सत्य से प्रभावशाली रहे हैं। जेडीयू का अपना राजनीतिक आधार और सामाजिक समीकरण है। इसलिए पार्टी के लिए राष्ट्रीय गठबन्धन की भीतर और राज्य की सामाजिक-राजनीतिक परिस्थितियों के बीच संतुलन बनाना एक चुनौती हो सकती है।



रमेश सराफ धमोरा

विश्वकर्मा
जयन्ती का
औद्योगिक जगत
और भारतीय
कलाकारों, मजदूरों,
इंजीनियर्स आदि के
लिए खास महत्व
है। विश्वकर्मा
जयन्ती भारत के
जम्मू कश्मीर,
पंजाब, हिमाचल,
हरयाणा, दिल्ली,
राजस्थान,
मध्यप्रदेश,
राजस्थान,
उत्तराखंड, पश्चिम
बंगाल, असम,
ओडिशा, त्रिपुरा,
बिहार और झारखंड
जैसे राज्यों में
मनायी जाती है।
नेपाल में भी
विश्वकर्मा पूजा को
बड़े उत्साह के साथ
मनाया जाता है।
विश्वकर्मा के पूजन
और उनके बताये
वास्तुशास्त्र के
नियमों का
अनुपालन कर
बनवाये गये मकान
और दुकान शुभ
फल देने वाले माने
जाते हैं।



प्रो. महेश वर्मा

भारत में शाकाहारी और मांसाहारी दोनों तरह की खाद्य परंपराएँ हैं। भारत की विविधता में दोनों का स्थान है। लेकिन ब्रिक्स का रात्रिभोज कोई सामान्य घरेलू भोजन नहीं था। वह भारत की सांस्कृतिक और पाक-परंपरा को दुनिया के सामने प्रस्तुत करने का एक अवसर था।

17 सितम्बर जयंती पर विशेष

विश्वकर्मा पूजा भारत में मानाया जाने वाला एक प्रमुख त्योहार है। इस दिन देश भर में स्थित कारखानों, कारखानाओं और विभिन्न कार्यस्थलों पर विशेष पूजा अर्चना की जाती है। तात्किक श्रम और कौशल का सम्मान किया जाता है और आने वाले वर्ष के लिए आशीर्वाद प्राप्त हो सके। हर साल विश्वकर्मा पूजा कन्या संक्रांति के दिन मनाई जाती है। इस दिन भगवान विश्वकर्मा का जन्म हुआ था। इसलिए इसे विश्वकर्मा जयंती भी कहते हैं। विश्वकर्मा पूजा एक ऐसा त्योहार है जहाँ शिल्पकार, कारीगर, श्रमिक भगवान विश्वकर्मा का त्योहार मनाते हैं। कहा जाता है कि भगवान ब्रह्मा के पुत्र विश्वकर्मा ने पूरे ब्रह्मांड का निर्माण किया था। विश्वकर्मा की देवताओं के महलों का वास्तुकार भी कहा जाता है। विश्वकर्मा दो शब्दों विश्व (संसार या ब्रह्मांड) और कर्म (निर्माण) से मिलकर बना है। इसलिए विश्वकर्मा शब्द का अर्थ है दुनिया का निर्माण करने वाला। भगवान विश्वकर्मा को निर्माण एवं सृजन का देवता माना जाता है। हिंदू धर्म में उन्हें सृष्टि के शिल्पकार, देवताओं के पूजा विशेषज्ञ और पहले इंजीनियर के रूप में पूजा जाता है। विश्वकर्मा रचनात्मकता, तकनीकी कौशल और नवचार के प्रतीक हैं। उनके सम्मान में भाद्रपद मास की विश्वकर्मा जयंती मनाई जाती है। यह त्योहार दिन है जब सूर्य सिंह राशि से कन्या राशि में प्रवेश करता है। इस दिन मजदूर, कारीगर, इंजीनियर, आर्किटेक्ट और उद्योगपति अपने औजारों व मशीनों की पूजा करते हैं। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार कार युगों में विश्वकर्मा जी ने कई नगर और भवनों का निर्माण किया था। विश्वकर्मा शिल्पशास्त्र के आविष्कारक और सर्वश्रेष्ठ ज्ञाता माने जाते हैं। जिन्होंने विश्व के प्राचीनतम तकनीकी श्रेणों की रचना की थी। इन श्रेणियों में न केवल भवन वास्तु विद्या, रथ आदि विधाएँ हैं, बल्कि विभिन्न रथों के प्रभाव व उपयोग आदि का भी विवरण है। माना जाता है कि उन्होंने ही देवताओं के यमनों की रचना की थी। भगवान विश्वकर्मा की उत्पत्ति ऋग्वेद में हुई है। जिसमें उन्हें ब्रह्मांड के निर्माता के रूप में वर्णित किया गया है। भगवान विष्णु और शिव विष्णु की नाभि से उत्पन्न भगवान ब्रह्मा की अवधारणाएं विश्वकर्मण सूक्त पर आधारित हैं। विश्वकर्मा प्रकाश की वास्तुतत्वा का अग्रवर्ग माना जाता है। इसमें अनुपम वास्तुविद्या गणितीय सूत्रों के आधार पर प्रमाणित किया गया है। ऐसा माना जाता है कि सभी पौराणिक



परचूनाए भगवान विश्वकर्मा द्वारा निर्मित हैं। विश्वकर्मा विश्वकर्मा के जन्म को देवताओं और राक्षसों के बीच हुए समुद्र मंथन से माना जाता है। पौराणिक युग के अस्त्र और शस्त्र भगवान विश्वकर्मा द्वारा ही निर्मित हैं। विश्वकर्मा को सृष्टि के रचयिता ब्रह्माजी का वंशज माना गया है। ब्रह्माजी के पुत्र धर्म तथा धर्म के पुत्र वासुदेव देव थे। जिन्हें शिल्पशास्त्र का आदि पुरुष माना जाता है। इन्हीं वासुदेव की अंगिरसी नामक पत्नी से विश्वकर्मा का जन्म हुआ। अपने पिता के पद विश्वों परचलते हुए विश्वकर्मा भी वासुदेव के महान आचार्य बने। मनु, मय, व्यष्टि, शिल्पी और देवदेव इनके पुत्र हैं। इन पांचों पुत्रों को वासुदेवशिल्प की अलग-अलग विधाओं में विशेषज्ञ माना जाता है। विश्वकर्मा वैदिक देवता के रूप में सर्वमान्य हैं। इनको गुरुश्र आश्रम के लिए आवश्यक सुविधाओं का निर्माण और प्रवर्तक भी कहा गया है। अपने विशिष्ट ज्ञान-विज्ञान के कारण देवशिल्पी विश्वकर्मा मानव समुदाय ही नहीं वरन देवगणों द्वारा भी पूजित हैं। देवता, नर, असुर, यक्ष और ग्रन्थ सभी में उनके प्रति सम्मान का भाव है। भगवान विश्वकर्मा के पूजन-अर्चना किये बिना कोई भी तकनीकी कार्य शुभ नहीं माना जाता। इसी कारण विभिन्न कार्यों में प्रयुक्त होनेवाले औजारों, कल-कारखानों और विशिष्ट उद्योगों में लग्नी मशीनों का पूजन विश्वकर्मा जयंती पर किया जाता है। पौराणिक साक्ष्यों के मुताबिक स्वर्ग लोक की राजधानी, यमपुरी, वरुणपुरी, कुबेरपुरी, असुर-इन्द्रावध के स्वर्णनगरी लंका, भगवान श्रीकृष्ण की समुद्र नगरी द्वारिका और पांडवों की राजधानी हस्तिनापुर के निर्माण का श्रेय भी विश्वकर्मा को ही जाता है। पौराणिक कथाओं में इन उल्लेख नगरीयों के निर्माण के रचेचक विश्वकर्मा

मिलते हैं। उड़ीसा का विश्व प्रसिद्ध जगन्नाथ मंदिर तो विश्वकर्मा के शिल्प कौशल का अमूर्त प्रमाण उद्गारण माना जाता है। विष्णु पुराण में उल्लेख है कि जगन्नाथ मंदिर की अनुपम शिल्प रचना से खुश होकर भगवान विष्णु ने उन्हे शिल्पावतार के रूप में सम्मानित किया था। महाभारत में पांडव जहां रहते थे उस स्थान को इंद्रप्रस्थ के नाम से जाना जाता था। इसका निर्माण भी विश्वकर्मा ने किया था। कौरव वंश के हस्तिनापुर और भगवान कृष्ण के द्वारका का निर्माण भी विश्वकर्मा ने ही किया था। सतगुरु का स्वर्ग लोक, त्रेतायुग की लंका, द्वापर की द्वारिका और कल्युग के हस्तिनापुर आदि के रचयिता विश्वकर्मा जी की पूजा अत्यंत शुभकरणी है। सृष्टि के प्रथम सूत्रधार, शिल्पकार और विश्व के पहले तकनीकी ग्रन्थ के रचयिता भगवान विश्वकर्मा ने देवताओं की रक्षा के लिये अस्त्र-शस्त्रों का निर्माण किया था। विश्वको चक्र, शिव के त्रिशूल, इंद्र को वज्र, हनुमान को गदा और कुबेर को पुष्पक विमान विश्वकर्मा ने ही प्रदान किये थे। सीता स्वयंवर में जिस धनुष को श्रीराम ने तोड़ा था वह भी विश्वकर्मा के हाथों बना था। जिस रथ पर निर्भर रहकर श्रेष्ठ धनुर्धर अर्जुन संसार को भस्म करने की शक्ति रखते थे उसके निर्माता विश्वकर्मा ही थे। शक्ति के विवाह के लिए जो मण्डप और वेदी बनाई गई थी वह भी विश्वकर्मा ने ही तैयार की थी।

माना जाता है कि विश्वकर्मा ने ही लंका का निर्माण किया था। इसके पीछे कहानी है कि शिव ने माता पार्वती के लिए एक महल का निर्माण करने के लिए भगवान विश्वकर्मा को कहा तो विश्वकर्मा ने सोने का महल बना दिया। इस महल के पूजन के दौरान भगवानशिव ने राजा रावण को आमंत्रित किया। रावण महल को

दखकर मंत्रमुग्ध हो गया और जब भगवानशिव ने उससे दक्षिणा में कुछ देने को कहा तब उसने महल ही मांग लिया। भगवान शिव ने उसे महल देकर वापस पर्वतों पर चले गए। विश्वकर्मा ने देवताओं के लिए उड़ने वाले रथों का निर्माण किया था। विश्वकर्मा ने देवताओं के राजा इंद्र का हथियार वज्र का निर्माण किया था। वज्र को ऋषि दधीचि और अजेयस्त्र की हड्डियों से बनाया गया है। भगवान विष्णु का सुदर्शन चक्र उनकी शक्तिशाली रचनाओं में से एक था। विश्वकर्मा जयन्ती का औद्योगिक जगत और भारतीय कलाकारों, मजदूरों, इंजीनियर्स आदि के लिए खास महत्व है। विश्वकर्मा जयन्ती भारत के जम्मू कश्मीर, पंजाब, हिमाचल, हरयाणा, दिल्ली, राजस्थान, मध्यप्रदेश, राजस्थान, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल, असम, ओडिशा, त्रिपुरा, बिहार और झारखंड जैसे राज्यों में मनाया जाता है। नेपाल में भी विश्वकर्मा पूजा को बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है। विश्वकर्मा के पूजन और उनके बताये वास्तुशास्त्र के नियमों का अनुपालन कर बनाये गये मकान और दुकान शुभ फल देने वाले माने जाते हैं। इनमें कोई वास्तुदोष नहीं माना जाता है। औद्योगिक श्रमिकों द्वारा इस दिन बेहतरी भविष्य, सुरक्षित कामकाजी परिस्थितियों और अपने अपने क्षेत्र में सफलता के लिए प्रार्थना की जाती है। विश्वकर्मा जयन्ती के दिन देश के कई हिस्सों में काम बंद रखा जाता है और खूब पंताबाजी की जाती है। विभिन्न प्रदेशों की सरकार विश्वकर्मा जयन्ती पर अपने कर्मचारियों को सावैतिक अवकाश प्रदान करती है। यही त्योहार मुख्य रूप से दुकानों, कारखानों और उद्योगों द्वारा मनाया जाता है। इस अवसर पर, कारखानों और औद्योगिक क्षेत्रों के श्रमिक अपने औजारों की पूजा करते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 17 सितंबर, 2023 को प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना प्रारम्भ की थी। जिसपर अपने हाथों और औजारों से काम करने वाले कारीगरों और शिल्पकारों को संपूर्ण सहायता प्रदान की जाती है। इस योजना में 18 व्यवसायों में लगे कारीगर और शिल्पकार शामिल हैं। पीएम विश्वकर्मा योजना में पीएम विश्वकर्मा प्रमाणपत्र और पहचान पत्र के माध्यम से मान्यता, कौशल सत्यापन के माध्यम से कौशल उन्नयन, बुनियादी कौशल, उन्नत कौशल प्रशिक्षण, उद्यमशीलता ज्ञान, 15,000 रुपये तक के टूलकिट प्रोत्साहन, तीन लाख रुपये तक की ऋण सहायता दी जाती है।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

ब्रिक्स की उपलब्धि बनाम राजनीतिक संकीर्णता



इसलिए सरकार की उपलब्धियों की आलोचना विपक्ष का अधिकार है लेकिन क्या ऐसी आलोचना के लिए भोजन की थाली को राजनीतिक हथियार बनाना उचित है? यही प्रश्न आज देश को राहुत गांधी से पूछना चाहिए।

राष्ट्रीय हित सबसे बड़ा : राहुत गांधी लोकसभा में विपक्ष के नेता हैं। यह केवल एक राजनीतिक पद नहीं है। नेता विपक्ष को संसद में महत्वपूर्ण संवैधानिक-संसदीय भूमिका प्राप्त है और उन्हें कैबिनेट मंत्री के सम्मक्ष दर्जा प्राप्त है। इस पद के साथ सुविधाएँ और सार्वजनिक संसाधन जुड़े हैं। लेकिन उससे कहीं महत्वपूर्ण बात है- इस पद के साथ जनता का विश्वास और राष्ट्रीय जिम्मेदारी जुड़ी है। इसलिए प्रश्न यह होना चाहिए कि जब भारत किसी अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी करता है और दुनिया के बड़े देशों के नेता भारत आते हैं, तब विपक्ष के नेता की भाषा कैसे होनी चाहिए? क्या उसने उपलब्धियों पर स्वागत नहीं उठाना चाहिए? बिल्कुल उठाना चाहिए। लेकिन क्या प्रश्न उठाने का कदम नहीं, परिणाम, राष्ट्रीय हित और कूटनीतिक उपलब्धियाँ होनी चाहिए या फिर

इस बात पर सहस्र कि विदेशी मेहमानों को भोजन में मांसाहारी व्यंजन नहीं परोसा गया? यह और लोकतांत्रिक राजनीति और राजनीतिक संकीर्णता के बीच की रेखा तय करता है।

भोजन व्यक्तिगत पसंद : भारत में शाकाहारी और मांसाहारी दोनों तरह की खाद्य परंपराएँ हैं। भारत की विविधता में दोनों का स्थान है। लेकिन ब्रिक्स का राष्ट्रिभोज कोई सामान्य घरेलू भोजन नहीं था। दूध, भारत की सांस्कृतिक और पाक-परंपरा को दुनिया के सामने प्रस्तुत करने का एक अवसर था। उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार राष्ट्रिभोज में खंडवी, मिल्क, मशरूम, पनीर लबाबदार, गुच्छे, मिल्के पुलाव, रावता, भारतीय रीटों, जलेबी और फिरनी जैसे अनेक भारतीय व्यंजन शामिल थे। ऐसे में शाकाहारी मैन्यू को भारत की किसी एक विचारधारा को थोपने के रूप में प्रस्तुत करना क्या वास्तव में उचित है? शाकरी की अनेक प्राचीन और समृद्ध खाद्य परंपराएँ शाकाहारी भी हैं। मिल्के, दूध, पनीर, मशरूम और अनेक क्षेत्रीय व्यंजन हमारी पाक-विविधता का हिस्सा हैं। यदि विदेशी मेहमानों के सामने भारत की ऐसी विविधता प्रस्तुत

की गई तो उसे भी भारत की सांस्कृतिक शक्ति के रूप में देखा जा सकता है।
व्याह है असली मुद्दा - राहुल गांधी ने 80 प्रतिशत भारतीयों के मांसहारी होने का दावा किया। लेकिन भारत में भोजन संबंधी आंकड़े इस बात पर निर्भर करते हैं कि मांसहारी की परिभाषा क्या है - क्या कभी-कभार अंडा, मछली या मांस खाते वाला व्यक्ति भी उसी श्रेणी में आएगा या नियमित रूप से मांस खाता होगा? इसलिए किसी एक आंकड़े को अंतिम और निगिदाद राष्ट्रीय सत्य की तरह प्रस्तुत करना अपने आप में बहस का विषय है। उससे भी बड़ा सवाल यह है कि बिस्व की संस्कृत का मूल्यांकन क्या भारत की विदेशी सफ़लता के मापदंड के रूप में देखा जा सकता है? नीति, प्रधानमंत्री की द्विपक्षीय बैठकों, वैश्विकविकास दिशा में भारत की भूमिका, आकाशवाद के शिक्षण साझा रख, आर्थिक सहयोग, तकनीकी सहयोग और वैश्विक संस्थाओं में सुधार जैसे विषयों या बड़ राश्ट्रीय मुद्दा यह है कि डिनर में विनकन या मदन क्यों नहीं खाते?
क्या यह लोकतांत्रिक मर्यादा का हनन है? मेरे विचार से इसे सीधे-सीधे संबंधितान का कानूनी रूप से लोकतांत्रिक मर्यादा का उल्लंघन कहना सही नहीं होगा। विपक्ष के नेता को सरकार की लोकतांत्रिकता का पूरा अधिकार है। लेकिन लोकतंत्र केवल अधिकारों से नहीं चलता, जिम्मेदारियों से भी चलता है। लोकतांत्रिक मर्यादा का वास्तविक प्रत्यक्ष है कि क्या साजजनिक जीवन में पद की गरिमा के अनुकूल मुद्दों का चुनाव किया जा रहा है? एक तरफ़ तरफ़ भारत के विदेश राजनीति में अपनी भूमिका मजबूत करने की कोशिश कर रहा है और दूसरी तरफ़ यह हमारी परेल् राजनीति हर अंतरराष्ट्रीय उल्लंघि को पाटी बनाम पाटी के शरमे से देखने लगा तो इससे अतंतः नुकसान किसका होगा? सरकार का नही - देश का।

स्वस्थ भविष्य के लिए आयुर्वेद



प्रतापराव जाधव

आज भारत ज्ञान, विज्ञान और प्रौद्योगिकी के एक अनीखे संगम पर खड़ा है। हमारे पास इन ताकतों को एक साथ लाने का अवसर है, ताकि स्वास्थ्य सेवा का ऐसा तरीका विकसित किया जा सके, जो इलाज के साथ-साथ बीमारी से बचाव, बीमारी के प्रबंधन के साथ-साथ आरोग्यता और विकास के साथ-साथ स्थायित्व को भी महत्व देता हो।

दुनिया अब सहतमंद होने के मायने पर
नए सिरे से सोच रही है। आज स्वास्थ्य-
देखभाल का महल सिर्फ बीमारी की
इलाज करना नहीं है; बल्कि इसका
बढ़दत बीमारियों को रोकना, तंदुरुती को
बढ़ा देना और ऐसी स्वास्थ्य प्रणाली को
निर्माण करना है, जो बदती जीवनशैली,
पर्यावरण के दबाव और नई स्वास्थ्य-
चुनौतियों का सामना कर सके। इस बदती
परिस्थिति में, आयुर्वेद भविष्य के लिए एक
महत्वपूर्ण दृष्टि की पेशकश करता है।

11वें आयुर्वेद दिवस की थीम, स्वस्थ भविष्य के लिए आयुर्वेद और एका स्वास्थ्य, एक भविष्य का विजन इस विचार को बहुत खूबसूरती से पेश करता है। यह हमें याद दिलाता है कि मानव स्वास्थ्य का कोई अलग-थलग अस्तित्व नहीं होता। लोगों, समुदायों, पशुओं और पर्यावरण का स्वास्थ्य आपस में गहराई से जुड़े होते हैं। आयुर्वेद ने हमेशा बीमारी से बचाव, संतुलित जीवन, सही खान-पान, दैनिक दिनचर्या और प्रकृति के साथ तालमेल बिठाने पर बहुत जोर दिया है। ऐसे समय में जब ज्विगशैली से जुड़ी बीमारियाँ, उपापचय विकार, तनाव और दूसरी गैर-संक्रामक बीमारियाँ समाज पर ज़्यादा बढ़ा रही हैं, ये सिद्धांत और भी ज्यादा प्रासंगिक हो गए हैं। आयुर्वेद को आगे ले जाने का मतलब सिर्फ पीछे मुड़कर देखना नहीं हो सकता। इसके अलावा कोशे शोध, साक्ष्यों, नवाचार

और गुणवत्ता के जरिए आकार दिया जाना चाहिए। यह सुनिश्चित करना हमारी जिम्मेदारी है कि आयुर्वेद से जुड़े ज्ञान का अध्ययन आधुनिक वैज्ञानिक तरीकों से हो और उसे ऐसे समाधानों में बदला जाए, जो आज की स्वास्थ्य जरूरतों को पूरा करते हों। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने इस यात्रा को मजबूत करने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। साल 2014 में आयुष मंत्रालय की स्थापना; आयुर्वेद और अन्य आयुष प्रणालियों को एक मजबूत संस्थागत आधार देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। तब से इसका दायरा संरक्षण और प्रचार-प्रसार से बढ़कर शोध, शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल सुविधा, गुणवत्ता आश्वासन, नवाचार और वैश्विक सहयोग तक विस्तृत हो गया है।

स्वास्थ्य देखभाल को होना चाहिए मरीज की जरूरतों पर केन्द्रित होना चाहिए। जहाँ उपचार उपयुक्त और साध्य समर्थित हो वहाँ विभिन्न स्वास्थ्य प्रणालियों एक-दूसरे की पूरक बन सकती हैं और स्वास्थ्य के प्रति व्यापक दृष्टिकोण में योगदान दे सकती हैं। जन स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में आयुष सेवाओं का एकीकरण और आयुष्मान आरोग्य मंदिरों का विस्तार, रोकथाम और समग्र स्वास्थ्य सेवा को ज्यादा सुलभ बनाने के हमारे संकल्प को प्रतिबिंबित करते हैं। भारत आयुर्वेद को दुनिया तक भी पहुँचा रहा है। आयुर्वेद दिवस के पिछले आयोजनों ने दिखाया है कि स्वास्थ्य और



कल्याण के प्रति भारत के नजरिए को दुनिया भर में कैसा समर्थन मिल सकता है, अनुप्रायें दिवस ने भारत की स्वास्थ्य-संस्थाओं के लिए एक वैश्विक अवसरसंस्कार का निर्माण किया है और आयुर्वेद तेजी से सेवा, रोकथाम और सतत स्वास्थ्य-कल्याण पर होने वाली अंतरराष्ट्रीय वास्तविकता का हिस्सा बन रहा है।

इस बढ़ती वैश्विक रुचि के साथ एक उतनी ही महत्वपूर्ण जिम्मेदारी भी आती है। आयुर्वेद को विश्वव्यापी शोध, नैदानिक सूत्रों, मजबूत गुणवत्ता मानकों और जिम्मेदार संचार का समर्थन मिलना चाहिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग, आयुष्य शैक्षिक विभागा, नैदानिक शोध और विनियामक तालमेल की दिशा में किए जा रहे प्रयास भारत से बाहर आयुर्वेद के लिए प्रामाणिकता को सिद्ध करने में मदद कर सकते हैं।

कर रहे हैं। हमारा उद्देश्य सिर्फ इसकी वृद्धि के पहुँच कर विस्तार करना नहीं है, बल्कि यह गुनिश्चित करना भी है कि इस विकास के साथ भरोसा और वैज्ञानिक विश्वसनीयता भी जुड़ी हो।

एक स्वास्थ्य, एक भविष्य का विजन हमें अस्पतालों और दवाओं से आगे ले जाता है। एक स्वस्थ भविष्य हमारे पर्यावरण, हमारे खान-पान और उन प्राकृतिक संसाधनों के स्वास्थ्य पर निर्भर करता है, जिन पर स्वास्थ्य देखभाल प्रणालियाँ निर्भर करती हैं। उदाहरण के लिए, औषधीय पौधे स्वास्थ्य सेवा को कृषि, आजीविका और जैव विविधता से जोड़ते हैं। उनकी स्थानीय खेती से किसानों के लिए आर्थिक अवसर पैदा हो सकते हैं और साथ ही उनकी प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण में भी योगदान मिल सकता है।

प्रयोगिकों भी एक परिवर्तनकारी भूमिका निभा सकती है। आज भारत के पास अपने-अपने-अपने आधुनिक ज्ञान को आधुनिक शोध क्षमताओं, डिजिटल तकनीक, डेटा विज्ञान और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे उपकरणों के साथ जोड़ने का मौका है। संयोजन शोधकर्ताओं को पारंपरिक तरीकों का ज्यादा सटीकता से अध्ययन करने और नवाचार के नए अवसरों को सामने लाने में मदद कर सकता है। फिर भी, सबसे बड़ी महत्वपूर्ण बदलाव लोगों के जीवन में आना चाहिए। आधुनिक दिवस को केवल साल में एक बार मनाया जाने वाला आयोजन बनकर नहीं रहना चाहिए। इसे हमारे घरों, स्कूलों, कार्यस्थलों और समुदायों में स्वस्थ जीवन शैली आधारित एक व्यापक अभियान को बढ़ावा देने चाहिए। हम क्या खाते हैं, हम कितनी सक्रिय रहते हैं, हम तनाव का प्रबंधन कैसे करते हैं और हम अपने पर्यावरण के साथ कितनी जिम्मेदारी से व्यवहार करते हैं, ये सभी हमारे समाज के स्वास्थ्य को प्रभावित करते हैं। इस यात्रा में युवा पीढ़ी की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। आधुनिक को सिर्फ भारत की विरासत के तौर पर ही नहीं बल्कि शोध, नवाचार, उद्यमिता और स्वास्थ्य सेवा के ऐसे क्षेत्र के तौर पर पैक किया जाना चाहिए, जो भविष्य की चुनौतियों को

हल करने में योगदान दे सकता हो। आज भारत ज्ञान, विज्ञान और प्रौद्योगिकी के एक अनोखे संघम पर खड़ा है। हमारे पास इन ताकतों को एक साथ लाने का अवसर है, ताकि स्वास्थ्य सेवा का ऐसा तालाक विकसित किया जा सके, जो इलाज के साथ-साथ बीमारी से बचाव, बीमारी के प्रबंधन के साथ-साथ आरोग्यता और विकास के साथ-साथ स्थायित्व को भी महत्व देता हो। आयुर्वेद का भविष्य अंततः इस बात से निर्धारित होगा कि हम इस पर कितना अच्छा शोध करते हैं, सबूतों के आधार पर इसे कितना मजबूत बनाते हैं, इसकी गुणवत्ता को कैसे सुनिश्चित करते हैं और इसके फायदों को लोगों तक कैसे पहुँचाते हैं। इसलिए, स्वस्थ भविष्य के लिए आयुर्वेद संस्कृति एक थीम नहीं है यह सेहत की संस्कृति बनाने का एक आह्वान है- ऐसी संस्कृति, जो लोगों को सशक्त बनाती हो, समुदायों को मजबूत करती हो और उस पर्यावरण का समाना करती हो, जिसे हम सभी साझा करते हैं। जब हम 11वीं आयुर्वेद दिवस मना रहे हैं तो आइए एक स्वास्थ्य, एक भविष्य के विजन को आगे बढ़ाएँ और एक स्वस्थ भारत और स्वस्थ दुनिया की दिशा में मिलकर काम करें।

(लेखक, केंद्रीय आयुष्य स्वास्थ्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री हैं।)

निरसा में पुलिस मुठभेड़

नीरज सिंह हत्याकांड का
शूटर सागर सिंह गिरफ्तार



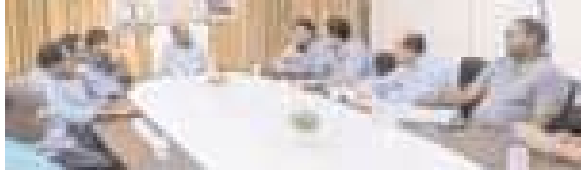
संवाददाता

धनबाद। निरसा थाना क्षेत्र में पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में नीरज सिंह हत्याकांड के वांटेड शूटर को गिरफ्तार किया गया है। पकड़े गए अपराधी की पहचान सागर सिंह उर्फ शिबू के रूप में हुई है। मुठभेड़ के दौरान पैर में गोली लगने से वह घायल हो

गया।एसएसपी प्रभात कुमार को सूचना मिली थी कि सागर सिंह अपने साथियों के साथ धनबाद में किसी बड़ी वारदात की योजना बना रहा है। सूचना पर विशेष टीम ने निरसा में घेराबंदी की। खुद को घिरा देख सागर ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली उसके पैर में लगी, जिसके बाद उसे दबोच

लिया गया। सागर सिंह धनबाद के चर्चित पूर्व डिप्टी मेयर नीरज सिंह हत्याकांड में मुख्य शूटर था। इसके अलावा वह जमशेदपुर के निखार सबलोक हत्याकांड में भी वांटेड था। फिलहाल घायल अपराधी को इलाज के लिए धनबाद लाया गया है। पुलिस उसके फरार साथियों की तलाश में छापेमारी कर रही है।

बरोरा एरिया में सीएमपीएफ को लेकर
वार्ता, टेका कंपनी ने सौंपे दस्तावेज



बाघमारा। बीसीसीएल बरोरा एरिया-1 के क्षेत्रीय सभागार में जीएम की उपस्थिति में प्रबंधन और यूनियन के बीच वार्ता हुई। वार्ता में टेका कंपनी संजय उद्योग ने सीएमपीएफ से संबंधित अधिकांश लिंबित दस्तावेज प्रस्तुत किए। प्रबंधन ने शेष बचे दस्तावेजों को 15 दिनों के भीतर सीएमपीएफ कार्यालय में जमा कराने का लिखित आश्वासन दिया है। वहीं एटक के क्षेत्रीय

सचिव ने चेतावनी दी कि यदि तय समयसीमा के भीतर कागजात जमा नहीं किए गए तो यूनियन बिना किसी पूर्व सूचना के उग्र आंदोलन करेगी। वार्ता में यूनियन की ओर से क्षेत्रीय उपाध्यक्ष खुशवंत कुमार, नर्मदेश्वर पांडे, नवल किशोर महतो, अरुण रवानी तथा बीसीसीएल प्रबंधन की ओर से महाप्रबंधक केके सिंह, अपर महाप्रबंधक टीएस चौहान सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

पोलो ग्राउंड में दो दिवसीय प्रखंड स्तरीय खेलो
झारखंड प्रतियोगिता संपन्न, विजेता सम्मानित



नवप्रदेश संवाददाता बाघमारा। झारखंड शिक्षा परियोजना के निर्देश पर बाघमारा प्रखंड स्तरीय खेलो झारखंड प्रतियोगिता का आयोजन स्थानीय पोलो ग्राउंड में किया गया। दो दिनों तक चले इस खेल आयोजन में प्रखंड के

विभिन्न सरकारी विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने भाग लेकर दमखम दिखाया। प्रतियोगिता प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी रिकी कौर और गौतम कुमार दास के नेतृत्व में आयोजित हुई। कार्यक्रम का संचालन ब्रजकिशोर चौबे और



मो. शहीद अंसारी ने किया। खेल को सफल बनाने में शिक्षक मदन मोहन महतो, पवन राय, इन्द्रजीत सरकार, सतीश कौशिक, सुमन कुमारी, असलम अंसारी और महावीर महशा की अहम भूमिका रही। समापन के मौके पर प्रखंड

प्रमुख गीता देवी ने विजेता खिलाड़ियों और टीमों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि खेल से अनुशासन और एकजुटता आती है, खिलाड़ी इसी मेहनत से जिला और राज्य स्तर पर भी

बाघमारा का नाम ऊंचा करें। मौके पर मो. नसीम अख्तर, जय होरो, सुनीता सिंह, रंजीत रवानी, विपुल कुमार, पवन पांडेय, दीपक वर्णवाल समेत बड़ी संख्या में शिक्षक, सीआरपी और विद्यार्थी मौजूद थे।

नर्सिंग होम का स्टाफ बताकर दुकानदार
से टगा घी, बाइक सवार फरार



बाघमारा। बरोरा थाना क्षेत्र के मुराईडीह हटिया के पास बुधवार को एक दुकानदार ठगी का शिकार हो गया। पीड़ित दुकानदार की पहचान शुक्देव मोदी के रूप में हुई है।बताया जा रहा है कि बाइक सवार एक अज्ञात व्यक्ति दुकान पर पहुंचा और खुद को ठाकुर नर्सिंग होम

का स्टाफ बताकर घी खरीदने की बात कही। इसके बाद पैसे देने के लिए साथ चलने को कहा। आरोपी दुकानदार को बाइक पर बैठाकर कुछ दूर ले गया और रास्ते में ही चकमा देकर बिना पैसे दिए फरार हो गया। कुछ देर बाद दुकानदार को ठगी का एहसास हुआ।

जापानी छात्रों का विदाई समारोह
अंगवस्त्र व उपहार देकर किया सम्मानित

लोयाबाद : ग्रामीण एकता मंच के केंद्रीय कार्यालय में बुधवार को जापान के त्सुकुबा विश्वविद्यालय से आए छह छात्रों का विदाई समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर सभी छात्रों को अंगवस्त्र,गुलदस्ता एवं उपहार देकर सम्मानित किया गया। साथ ही समारोह में ग्रामीण एकता मंच के केंद्रीय अध्यक्ष रंजीत सिंह उर्फ बबलू सिंह सहित उपस्थित गणमान्य लोगों ने छात्रों के सेवा कार्यों की सराहना की। छात्रों ने अपने अनुभव साझा करते हुए भारत की सेवा भावना और सामुदायिक एकता की प्रशंसा की तथा भारत-जापान मैत्री का संदेश दिया। आत्म स्वाभिमान संस्था के सचिव शैलेंद्र प्रसाद ने मंच के सहयोगी की प्रशंसा की साथ ही उनके संस्था द्वारा भारत में दिव्यांगों

के विकास हेतु किया जा रहे कार्यों पर प्रकाश डाला। गौरतलब है कि जापान के त्सुकुबा विश्वविद्यालय से आए छह छात्र युवा हाकामाता, चिहिरो बाबा, साकु हिदाका, निको कोजुमा, सैमुअल सेटे एवं मिडोरी यानो गांधीग्राम दिव्यांग कॉलोनी में करीब एक सप्ताह तक रहकर सेवा, जागरूकता एवं सामाजिक भेदभाव के खिलाफ अभियान में योगदान दिया। छात्रों ने प्रभावित परिवारों के साथ समय

बिताकर मानवता और सेवा का संदेश दिया। इस अवसर पर ग्रामीण एकता मंच के केंद्रीय अध्यक्ष रंजीत सिंह उर्फ बबलू सिंह ने कहा कि जरूरतमंद एवं प्रभावित परिवारों के बीच सेवा कार्य समाज के लिए प्रेरणादायक हैं। जापानी छात्रों का इस अभियान से जुड़ना भारत-जापान मैत्री और सामाजिक एकता का सकारात्मक संदेश है। उन्होंने कहा कि इन युवाओं की सेवा

भावना से बच्चों एवं युवाओं को समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने की प्रेरणा मिलेगी। समारोह में नरेश भारती, शैलेंद्र प्रसाद, विनोद सिंह, उत्पल झा, प्रवीण कुमार, मनोज सिंह, राजेश भारती, नंदलाल चौधरी, वार्ड पार्षद सुनैना पासवान, संजय गुप्ता, गौरव कुमार पांडे, शुभम कुमार एवं विकास कुमार सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

बाघमारा में राजभाषा पखवाड़ा के तहत
हिंदी ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन



बाघमारा। राजभाषा पखवाड़ा-2026 के तहत बीसीसीएल ब्लॉक दो क्षेत्र में हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हिंदी ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह प्रतियोगिता ब्लॉक दो क्षेत्र के हरिना कॉलोनी स्थित अतिथि गृह में आयोजित हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता क्षेत्रीय प्रबंधक (मानव संसाधन) अमित यादव ने की, जबकि संचालन एवं निरीक्षण नोडल अधिकारी (राजभाषा) स्नेहा ने

किया। प्रतियोगिता में ब्लॉक दो क्षेत्र के विभिन्न विभागों के लगभग 35 अधिकारियों एवं कर्मियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान प्रतिभागियों से हिंदी ज्ञान से संबंधित प्रश्न पूछे गए, जिनका उन्होंने सक्रियता के साथ उत्तर दिया। अवसर पर अधिकारियों ने कहा कि कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के प्रयोग से कार्य में सरलता आती है और यह राजभाषा के प्रति सम्मान को भी दर्शाता है।

न्यूज IN बीफ

कतरास के छाताबाद में फिर भू-धंसान, राहत
शिविर बना सामुदायिक भवन भी क्षतिग्रस्त



कतरास। छाताबाद में भू-धंसान का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। बुधवार को एक बार फिर अचानक जमीन धंसने से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। धंसान की चपेट में दर्जनों घर आ गए हैं और कई मकान जमींदोज होने की कगार पर हैं। सबसे चिंताजनक बात यह है कि जिस सामुदायिक भवन में पिछले भू-धंसान के प्रभावितों को रखा गया था, वही भवन इस बार धंसान की चपेट में आकर क्षतिग्रस्त हो गया है। इससे विस्थापित परिवारों के सामने दोहरी मुसीबत खड़ी हो गई है।

लगातार धंसती जमीन से लोगों में दहशत है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अपने ही घरों में रहना असुरक्षित हो गया है और वे पलायन को मजबूर हैं। हालांकि इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, लेकिन लोगों में पुनर्वास को लेकर आक्रोश बढ़ रहा है। प्रभावितों ने प्रशासन से स्थायी और सुरक्षित पुनर्वास की मांग की है।

सेंद्रा-बांसजोड़ा परियोजना में चोरों ने
ट्रांसफार्मर से 50 हजार का कॉपर तार चुराया



लोयाबाद। सिसुआ क्षेत्र संख्या-5 के सेंद्रा-बांसजोड़ा परियोजना कार्यालय परिसर में मंगलवार की रात अज्ञात चोरों ने ट्रांसफार्मर घर की करकट छत तोड़कर 50 केवी के ट्रांसफार्मर से कॉपर तार चोरी कर ले भागा। चोरों ने ट्रांसफार्मर की मेन लाइन काटने के बाद उसका पूरा कॉपर तार खोल लिया और ट्रांसफार्मर के तीनों कॉर वहाँ छोड़कर कॉपर तार अपने साथ ले गए। चोरी गए कॉपर तार की कीमत करीब 50 हजार रुपये बताई जा रही है।बताया जाता है कि मंगलवार की रात क्षेत्र में बिजली नहीं रहने का फायदा उठाकर चोर परियोजना कार्यालय परिसर में घुसे। इसके बाद ट्रांसफार्मर घर की करकट तोड़कर अंदर प्रवेश किया और मेन लाइन काट दिया। ट्रांसफार्मर से कॉपर तार निकालने के बाद चोर मौके से फरार हो गए। घटना के बाद परियोजना कार्यालय और बगल के न्यू क्लोनी धौड़ा की बिजली व्यवस्था भी प्रभावित हो गई।मामले में संबंधित इंजीनियर संजय चौधरी ने बताया कि बीती रात अज्ञात चोरों ने परियोजना परिसर में लगे ट्रांसफार्मर का कॉपर तार खोलकर चोरी कर लिया। ट्रांसफार्मर के तीनों कॉर मौके पर ही छोड़ दिए गए हैं। इससे कार्यालय सहित न्यू क्लोनी धौड़ा की बिजली आपूर्ति प्रभावित हुई है। घटना की लिखित शिकायत परियोजना पदाधिकारी से की गई है।

कनकनी कोलियरी में ओबी डंपिंग के
खिलाफ महिलाओं का जोरदार विरोध

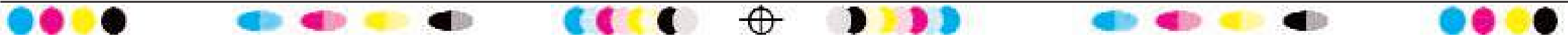


लोयाबाद : सिसुआ क्षेत्र संख्या-5 अंतर्गत कनकनी कोलियरी में राम अवतार आउटसोर्सिंग कंपनी द्वारा संचालित ओबी डंपिंग कार्य को रोककर बुधवार को जोगता 11 नंबर की महिलाओं ने पुनर्वास और मुआवजे की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। जोगता जोड़िया नदी के समीप ग्रामीण महिलाओं ने ओबी डंपिंग कार्य रोककर पुनर्वास, मुआवजा तथा प्रदूषण रोकने की मांग को लेकर घंटों धरना प्रदर्शन किया। मौके पर भारी संख्या में महिलाएं एवं बच्चे मौजूद रहे।घटना की सूचना पर सीआईएसएफ के जवानों के साथ बीसीसीएल परियोजना पदाधिकारी मौके पर पहुंचे और ग्रामीण महिलाओं को समझा-बुझाकर शांत कराना का प्रयास किया। प्रदर्शन कर रही महिलाओं का कहना था कि पहले उन्हें सुरक्षित स्थान पर विस्थापित कर पुनर्वास एवं मुआवजा दिया जाए, तभी कंपनी का डंपिंग कार्य चलने दिया जाएगा। वहीं कनकनी परियोजना पदाधिकारी का कहना है कि 11 नंबर बस्ती पहले से डेंजर ज़ोन में आती है। पूर्व में यहां के लोगों को बेलगाड़िया में प्रत्येक परिवार के सदस्य को दो-दो फ्लैट दिए जा रहे हैं, लेकिन यहां के लोग हटने को तैयार नहीं हैं। परियोजना पदाधिकारी द्वारा समझाईश दिए जाने के बाद प्रदर्शनकारी महिलाएं शांत होकर घर लौट गईं। मौके पर जोगता 11 नंबर की बड़ी संख्या में महिलाएं, परियोजना पदाधिकारी तथा सीआईएसएफ के जवान मौजूद रहे।

धनबाद में खाद की कालाबाजारी
पर कार्रवाई, गोविंदपुर की
दो दुकानों को शो-काँज

धनबाद। खाद की अधिक कीमत वसूले जाने की शिकायतों पर कृषि विभाग ने सख्ती शुरू कर दी है। उपायुक्त आदित्य रंजन के निर्देश पर जिले में चलाए जा रहे जांच अभियान के तहत गोविंदपुर की दो दुकानों को शो-काँज नोटिस जारी किया गया है।जिला कृषि पदाधिकारी अंजना कुमारी ने बताया कि 12 सितंबर को गोविंदपुर में उर्वरक दुकानों की औचक जांच की गई। जांच के दौरान अनियमितता पाए जाने पर मेसर्स निमाई बीज भंडार और मेसर्स मां दुर्गा बीज भंडार को फर्टिलाइजर कंट्रोल ऑर्डर 1985 और आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के तहत नोटिस दिया गया है।

उन्होंने कहा कि सतीषजनक जवाब नहीं मिलने पर दोनों दुकानों का लाइसेंस निलंबित या रद्द किया जाएगा। जिले में किसानों को तय दर पर गुणवत्तापूर्ण खाद उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है और गड़बड़ी करने वालों पर कार्रवाई जारी रहेगी।



1 CBFC का पुनर्गठन, 18 सदस्यीय नई बोर्ड में शामिल हुए ये नाम

प्रीति जिंटा, सुनील शेटी, पंकज त्रिपाठी, रुपाली गांगुली और पल्लवी जोशी समेत कई दिग्गज

भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन (CBFC) के पुनर्गठन की घोषणा की है। नई 18 सदस्यीय बोर्ड में फिल्म जगत की कई प्रसिद्ध हस्तियों को शामिल किया गया है। इसमें प्रीति जिंटा, सुनील शेटी, पंकज त्रिपाठी, रुपाली गांगुली और पल्लवी जोशी के नाम प्रमुख हैं। यह कदम फिल्म सेंसरशिप प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी और समावेशी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।



2 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' सीज़न 5 का ऐलान

26 सितंबर 2026 से होगा प्रसारण

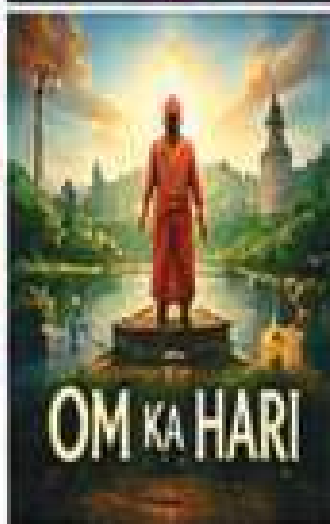
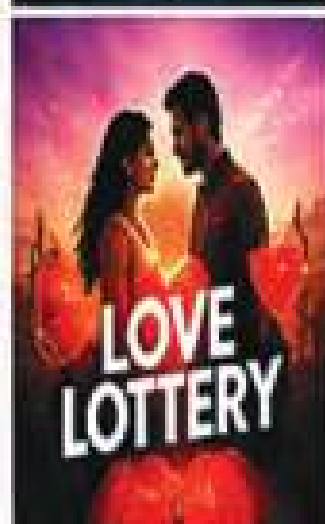
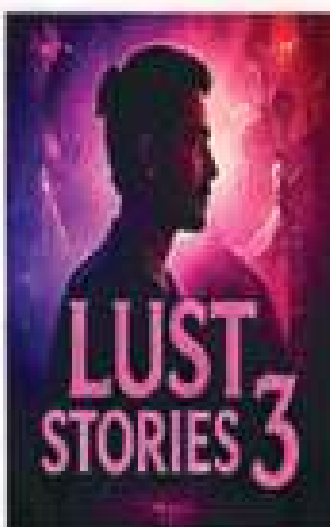
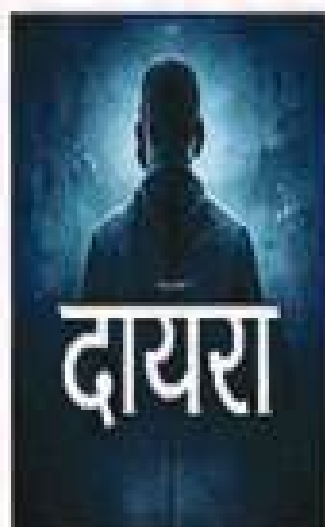
लोकप्रिय कॉमेडी शो 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' के मेकर्स ने सीज़न 5 की आधिकारिक घोषणा कर दी है। यह शो 26 सितंबर 2026 से दर्शकों के बीच लौटेगा। शो में एक बार फिर कपिल शर्मा अपनी मजेदार टीम के साथ दर्शकों को हंसाने के लिए तैयार हैं। मेकर्स ने बताया कि इस सीज़न में नए चेहरे, नए सरप्राइज़ और कई खास मेहमान देखने को मिलेंगे।



3 अगले हफ्ते ओटीटी और थिएटर्स पर दस्तक देंगी ये नई फिल्में

18 सितंबर 2026 से होगी रिलीज

मनोरंजन जगत के लिए यह हफ्ता खास होने वाला है। 18 सितंबर 2026 से कई बहुप्रतीक्षित फिल्में और वेब सीरीज़ ओटीटी प्लेटफॉर्म और थिएटर्स पर रिलीज होने जा रही हैं। इनमें 'दायरा', 'लस्ट स्टोरीज़ 3', 'लव लॉटरी' और 'ओम का हरी' शामिल हैं। अलग-अलग जॉनर की इन फिल्मों और सीरीज़ से दर्शकों को भरपूर मनोरंजन मिलने की उम्मीद है।



OTT | थिएटर | एक साथ कई कहानियां

4 दिलजीत दोसांझ का अहमदाबाद में होगा मेगा कॉन्सर्ट

21 नवंबर 2026 को नरेंद्र मोदी स्टेडियम में परफॉर्म करेंगे

पंजाबी सिंगर और अभिनेता दिलजीत दोसांझ ने अपने फैंस के लिए बड़ी खुशखबरी दी है। उन्होंने घोषणा की है कि वह 21 नवंबर 2026 को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में एक मेगा कॉन्सर्ट करेंगे। दिलजीत ने सोशल मीडिया पर यह जानकारी साझा करते हुए कहा कि वह अपने प्रशंसकों से मुलाकात के लिए बेहद उत्साहित हैं। उनके इस कॉन्सर्ट को लेकर फैंस में जबरदस्त उत्साह है।



नरेंद्र मोदी स्टेडियम
अहमदाबाद

21 नवंबर 2026

मुख्यमंत्री सारथी योजना के तहत छह माह का निःशुल्क प्रशिक्षण पूर्ण कर चेन्नई रवाना, उपायुक्त ने प्रशिक्षणार्थियों से संवाद कर दी उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं, कहा

कौशल विकास के माध्यम से युवाओं को मिलेंगे रोजगार के नए अवसर



उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने कहा कि वर्तमान समय में युवाओं के लिए रोजगार के अवसरों के साथ-साथ बाजार की आवश्यकता के अनुरूप कौशल विकसित करना भी अत्यंत आवश्यक है। मुख्यमंत्री सारथी योजना जैसे कौशल विकास कार्यक्रम युवाओं को रोजगारपरक

प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के साथ उन्हें रोजगार के अवसरों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि दुमका के युवाओं में प्रतिभा और क्षमता की कमी नहीं है। जरूरत है कि उनकी प्रतिभा को सही प्रशिक्षण, मार्गदर्शन और रोजगार के अवसरों

से जोड़ा जाए। **प्रशिक्षण के साथ रोजगार से जोड़ने पर विशेष जोर**

उपायुक्त ने कहा कि कौशल प्रशिक्षण प्रमाण-पत्र तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले युवाओं को

वास्तविक रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि रोजगार के क्षेत्र में ऐसे और कदम उठाए जाएं, जिससे जिले के अधिक से अधिक युवाओं को उनकी रुचि एवं योग्यता के अनुरूप प्रशिक्षण और रोजगार मिल सके।

जिले के 8 केंद्रों में शिक्षकों के लिए कंप्यूटर प्रशिक्षण शिविर का द्वितीय दिवस

प्रशिक्षण के द्वितीय दिवस पर एम एस वर्ड एवं मेल मर्ज की दी गई जानकारी साझा

प्रतिनिधि, गिरिडीह : झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद रांची एवं स्कूलनेट इंडिया लिमिटेड के संयुक्त तत्वावधान में आइसीटी 754 परियोजना के अंतर्गत गिरिडीह जिला के 10 केंद्रों में शिक्षकों का पांच दिवसीय कंप्यूटर प्रशिक्षण शिविर 15 सितंबर 2026 का द्वितीय दिवस का समापन हुआ। प्रशिक्षण के द्वितीय दिवस पर प्रशिक्षु द्वारा एम एस वर्ड एवं मेल मर्ज से संबंधित कई जानकारीयें दिया गया तथा प्रायोगिक प्रशिक्षण भी प्रशिक्षु आनंद कुमार वर्मा एवं आदित्य कुमार द्वारा दिया गया।प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य विद्यालयों के शिक्षकों को कंप्यूटर ज्ञान बढ़ाना है, प्रशिक्षण के पहले सत्र में स्कूलनेट इंडिया लिमिटेड के क्लस्टर कोऑर्डिनेटर पवन कुमार ने राजकीय कन्या मध्य विद्यालय पंचबा में मौके पर उपस्थित शिक्षकों को बताया कि इस पांच दिवसीय कंप्यूटर प्रशिक्षण में

सेवा दिवस पर आरसीएम परिवार का नेक पहल, रक्तदान शिविर में 25 यूनिट रक्त संग्रह



मनोहर वर्मा ने स्वयं रक्तदान कर किया। इसके बाद गजेंद्र सिंह, संतू कुमार, राजेंद्र मराठी, नीतीश कुमार, रुपालता हांसदा, शोभा वर्मा, सुनील बेसरा, मनोहर सिंह, निकेश बर्नवाल समेत 25 से अधिक लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। शिविर में कुल 25 यूनिट रक्त संग्रह किया गया। मौके पर रेड क्रॉस के चेयरमैन अरविंद कुमार और ब्लड बैंक प्रभारी डॉ. सोहेल अख्तर ने रक्तदाताओं को भविष्य में जरूरतमंदों की मदद के लिए रक्तदान करते रहने की शपथ दिलाई। इस अवसर पर टैक्निकल एवीवर पवन केंडिया समेत आरसीएम परिवार के कई सदस्य मौजूद रहे। रक्तदान शिविर के माध्यम से लोगों को नियमित रक्तदान के लिए प्रेरित करते हुए मानव सेवा का संदेश दिया गया।

तमिलनाडु कमाने गए शिकारीपाड़ा के सोमलाल हेंब्रम 9 सितंबर से लापता, भाषा और अनजान जगह बनी परिवार के लिए बड़ी रुकावट।

दुमका जिले के शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र के बाकीजोड़ गांव निवासी सोमलाल हेंब्रम रोजगार की तलाश में बीते 6 सितंबर को तमिलनाडु गए थे, लेकिन वहां पहुंचने के महज तीन दिनों बाद, यानी 9 सितंबर की रात 12 बजे वे सदिग्ध परिस्थितियों में कंपनी से निकले और फिर वापस नहीं लौटे। सोमलाल को काम दिलाने के लिए रानीश्वर थाना क्षेत्र के पजन पहाड़ी निवासी मेट दिनेश टट्टू अपने साथ तमिलनाडु ले गए था। दिनेश फिलहाल तमिलनाडु में ही रहकर अपने स्तर से सोमलाल की खोजबीन में जुटा हुआ है।इधर झारखंड में रह रहे सोमलाल के परिजन इस अनहोनी से बेहद परेशान और डरे हुए हैं। तमिलनाडु की अनजानी जगह और भाषा की समस्या के कारण परिवार के लोग वहां जाने में असमर्थ महसूस कर रहे हैं, जिससे उनकी बेबीसी और बढ़ गई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए लापता सोमलाल के भाई गोबिंद हेंब्रम ने शिकारीपाड़ा थाने में लिखित आवेदन देकर अपने भाई की तलाश के लिए पुलिस से मदद की गुहार लगाई है। शिकारीपाड़ा थाना पुलिस ने इस संबंध में परिजनों को हर संभव सहायता का आश्वासन दिया है। पुलिस का कहना है कि छानबीन शुरू करने के लिए सबसे पहले यह पता लगाना जरूरी है कि सोमलाल तमिलनाडु के किस जिले और किस थाना क्षेत्र की कंपनी में काम कर रहा था। संबंधित थाना क्षेत्र की जानकारी मिलते ही तमिलनाडु पुलिस से संपर्क साधकर लापता युवक की तलाश में तेजी लाई जाएगी।

दुमका : श्री रामकृष्ण महिला महाविद्यालय में हिंदी भाषा के प्रति जागरूकता, सम्मान एवं प्रयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हिंदी पखवाड़ा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ के एन शर्मा ने किया।कार्यक्रम का शुभारंभ संयुक्त रूप से प्राचार्य, डॉ अनुज ,डॉ दीपिका,डॉ पूनम,प्रो लक्ष्मण राम द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ अनुज कुमार ने स्वागत भाषण और कार्यक्रम का विषय प्रवेश किया। उन्होंने कहा कि हिंदी सिर्फ हिंदी भाषा भाषी के लिए ही उपयोगी नहीं बल्कि यह पूरे भारत में जन जन की भाषा है।साथ ही उन्होंने

इन प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी प्रतिभा एवं रचनात्मकता का प्रदर्शन किया।नाटक का शीर्षक रत्नादान नहीं है हिंदीर पर सुंदर प्रस्तुति की गई। पटकथा और निर्देशन डॉ अनुज कुमार ने किया।कार्यक्रम में डॉ संजीव कुमार सिन्हा,डॉ पूनम प्रभा मुंडू, प्रो नम्रता तिकौं,सुबोध, महेंद्र,चिंता प्रतिभा, प्रिया,अल्किना, लक्ष्मी,काजल तेरेशा,नेहा गुलबन्शा रेखा,संजना, रिंकुआदि हिंदी विभाग की छात्राओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा। मंच संचालन छात्रा प्रिया कुमारी ने किया और धन्यवाद ज्ञापन डॉ दीपिका कुमारी ने किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रीयोत और राष्ट्रगान से किया गया।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का अनिश्चित कालीन धरना-प्रदर्शन दूसरा दिन भी रहा जारी

गिरिडीह : गिरिडीह कॉलेज, गिरिडीह में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का अनिश्चित कालीन धरना-प्रदर्शन आज दूसरा दिन भी जारी रहा ।

अभाविप प्रदेश सह मंत्री मंटू मुर्मू ने कहा कि हमारी स्पष्ट मांग है कि प्राचार्य एवम बर्सर का जल्द से जल्द इस्तीफा हो ,अगर ऐसा नहीं होता है तो परिषद कॉलेज कैंपस के साथ-साथ विनोबा भावे विश्वविद्यालय में भी धरना पर बैठेगी, जिला संयोजक नीरज

संयोजक अनीश राय ने कहा कि अभाविप दिनांक 18 /09/2026 तक अगर हमारी सारी मांगों को पूरा नहीं किया गया तो परिषद का कार्यकर्ता भूख हड़ताल में बैठ जाएंगे और इसका जिम्मेदार विश्वविद्यालय प्रशासन का होगा । मौके पर नगर सह मंत्री अभिजीत सिन्हा, कॉलेज उपाध्यक्ष संदीप वर्मा , विवेक कुमार ,कॉलेज मंत्री कृष पासवान, मोडिया प्रभारी बिट्टू मोदी , वीरेंद्र यादव आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे

न्यूज IN बीफ

खरसावां में उत्पाद विभाग की बड़ी कार्रवाई: अवैध चुलाई अड्डा ध्वस्त 5 हजार किलो जावा महुआ जब्त



सरायकेला : सरायकेला-खरसावां जिले के खरसावां थाना क्षेत्र के मधुसाई गांव में उत्पाद विभाग ने अवैध शराब के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। गुप्त सूचना के आधार पर की गई इस छापेमारी में अवैध रूप से संचालित चुलाई अड्डे को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया गया। मौके से 5,000 किलो जावा महुआ और 40 लीटर अवैध महुआ चुलाई शराब जब्त की गई। अवैध उत्पाद को जब्त कर संचालक के खिलाफ झारखंड उत्पाद अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया जा रहा है। ?प्रशासन की अपील : उपायुक्त नितिश कुमार सिंह ने नागरिकों से अवैध शराब का सेवन न करने और इसके कारोबार से दूर रहने की अपील की है। उन्होंने कहा कि अवैध शराब स्वास्थ्य के लिए बेहद हानिकारक है।

बिरसा मुंडा स्टेडियम का नाम बदलने की चर्चा पर चंपाई सोरेन का दा दूक जवाब, बोले- भगवान बिरसा के नाम से छेड़छाड़ नहीं होनी चाहिए



ऐतिहासिक पहचान के साथ छेड़छाड़ नहीं होनी चाहिए। किसी महापुरुष को सम्मान देने के लिए दूसरे महापुरुष के नाम को हटाना उचित नहीं है।चंपाई सोरेन ने कहा कि अलग झारखंड राज्य के आंदोलन में दिशोम गुरु शिबू सोरेन का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। वे स्वयं उनके शुरूआती एवं करीबी शिष्यों में रहे हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि राज्य के विभिन्न स्थानों पर शिबू सोरेन की प्रतिमाएं स्थापित की जानी चाहिए, ताकि उनके योगदान को उचित सम्मान मिल सके।पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि जमशेदपुर जैसे महत्वपूर्ण शहर में भी दिशोम गुरु शिबू सोरेन की प्रतिमा स्थापित होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि नाम बदलने की चर्चा हो रही है, तो जमशेदपुर का नाम ह्रदिशोम गुरु शिबू सोरेन नगररुद्ध रखने के प्रस्ताव पर विचार किया जा सकता है। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि इसका अर्थ भगवान बिरसा मुंडा के नाम से जुड़े स्थानों की पहचान बदलना नहीं है।चंपाई सोरेन ने भगवान बिरसा मुंडा को झारखंड का महान जननायक बताते हुए कहा कि उन्होंने अंग्रेजी हुकूमत और शोषण के खिलाफ संघर्ष किया। उनके नेतृत्व में हुए उलगुलान आंदोलन ने आदिवासी समाज के अधिकार, जल-जंगल-जमीन और स्वाभिमान की लड़ाई को नई दिशा दी। ऐसे में उनके नाम से जुड़ी ऐतिहासिक पहचान को संरक्षित रखना आवश्यक है।उन्होंने कहा कि शिबू सोरेन और भगवान बिरसा मुंडा, दोनों के योगदान का सम्मान अपनी-अपनी जगह महत्वपूर्ण है। किसी एक महापुरुष के सम्मान के लिए दूसरे महापुरुष के नाम को हटाने की आवश्यकता नहीं है। उनके इस बयान के बाद बिरसा मुंडा स्टेडियम के नाम को लेकर चल रही चर्चा एक बार फिर राजनीतिक बहस के केंद्र में आ गई है।

सरायकेला स्थित बिरसा मुंडा स्टेडियम का नाम बदलने की चर्चा पर झामुमो का स्पष्टीकरण, मूर्ति स्थल परिवर्तन का ऐलान



सरायकेला : सरायकेला स्थित बिरसा मुंडा स्टेडियम का नाम बदलने की चर्चा के बीच झारखंड मुक्ति मोर्चा जिला कमिटी की ओर से बुधवार को सरायकेला परिषदन भवन स्थित सभागार में प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। जिला अध्यक्ष शुभेंद्र महतो के नेतृत्व में आयोजित प्रेस वार्ता में पार्टी ने स्पष्ट किया कि स्टेडियम का नाम बदलने की उसकी कोई मंशा नहीं है।जिला अध्यक्ष शुभेंद्र महतो ने कहा कि बिरसा मुंडा स्टेडियम में दिशोम गुरु शिबू सोरेन की प्रतिमा के लिए भूमि पूजन जरूर हुआ था, लेकिन झामुमो का स्टेडियम का नाम बदलने का कोई इरादा नहीं है। उन्होंने कहा कि यदि प्रतिमा लगाने को लेकर किसी आदिवासी भाई-बहन की भावनाएं आहत हुई हैं, तो पार्टी इसके लिए खेद प्रकट करती है। उन्होंने प्रतिमा का स्थल परिवर्तन करने की घोषणा करते हुए कहा कि स्टेडियम में प्रतिमा नहीं लगाई जाएगी। सम्मानजनक स्थान निर्धारित कर वहां प्रतिमा स्थापित की जाएगी।वहीं, सरायकेला विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी गणेश महाली ने पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन के बयान पर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि चंपाई सोरेन लोगों को भ्रमित कर रहे हैं। झामुमो की कभी भी बिरसा मुंडा स्टेडियम का नाम बदलकर शिबू सोरेन के नाम पर करने की मंशा नहीं रही है और न ही पार्टी ऐसा करेगी।गणेश महाली ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा सर्वमान्य जननायक हैं। पूरे देश के लोग उनका सम्मान और पूजन करते हैं। झामुमो भी उनका सम्मान करती है और उनके नाम से किसी प्रकार की छेड़छाड़ नहीं की जाएगी।प्रेस वार्ता के दौरान पार्टी नेताओं ने कहा कि बिरसा मुंडा की विरासत, संघर्ष और आदिवासी समाज के अधिकारों के प्रति उनके योगदान को झामुमो पूरी श्रद्धा के साथ मानती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रतिमा स्थल को लेकर उठे विवाद का समाधान आपसी सहमति और सम्मानजनक तरीके से किया जाएगा। पार्टी ने सभी पक्षों से अपील की कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और मामले को राजनीतिक रंग देने से बचें।

जीवित पुत्र को दर्किनार कर पिता को बताया निःसंतान, पीड़ित ने उठाए दस्तावेजों की वैधता पर सवाल

चाँदिल - जल-जंगल-जमीन की रक्षा और आदिवासी अधिकारों के बीच नीमडीह में प्रस्तावित एसएम स्टील्स एंड पावर लिमिटेड के लिए जमीन हस्तांतरण को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। आदरडीह गांव में एक आदिवासी रैयत की 3 एकड़ 41 डिसिमिल पैतृक जमीन को कथित जाली वंशावली के आधार पर कंपनी के नाम हस्तांतरित किए जाने का आरोप लगा है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जिस जमीन के मालिक स्वर्गीय यादव सिंह उर्फ खुद भूमिज के पुत्र जगबंधु सिंह स्वयं को उनका कानूनी वारिस बता रहे हैं, उसी वंशावली में यादव सिंह को कथित रूप से निःसंतान केसे दर्शाया गया? आदरडीह निवासी जगबंधु सिंह ने इस मामले में नीमडीह के अंचल अधिकारी (सीओ) और थाना प्रभारी को लिखित आवेदन देकर पूरे प्रकरण की जांच कराने, एफआइअर दर्ज करने और दोषी पाए जाने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। आवेदन में उन्होंने जमीन के हस्तांतरण की वैधता की भी जांच करने का आग्रह किया है।आवेदन के अनुसार मौजा आदरडीह, थाना नंबर 292, खाता संख्या 378 और प्लॉट संख्या 2190 में 3 एकड़ 41 डिसिमिल जमीन स्वर्गीय यादव सिंह उर्फ यदु भूमिज के नाम दर्ज है। जगबंधु सिंह का दावा है कि वे यादव सिंह के पुत्र हैं और जमीन में उनका पैतृक एवं कानूनी अधिकार है। उनका आरोप है कि इसके बावजूद कथित रूप से ऐसी वंशावली तैयार की गई, जिसमें उनके पिता को निःसंतान दर्शाया गया। जगबंधु सिंह ने ग्राम प्रधान श्यामपद कुमार, संजय सिंह, लाल सिंह (पुत्र स्वर्गीय भंडु सिंह), एसएम स्टील्स एंड पावर लिमिटेड के प्रतिनिधि राजीव मुखर्जी समेत अन्य लोगों पर कथित साजिश में शामिल होने का आरोप लगाया है। वंशावली में सुभाष सिंह, सनत कुमार, मधुसूदन कुमार, हितेश कुमार और नगेन कुमार के नाम गवाह के रूप में दर्ज हैं। आरोप है कि इसी कथित वंशावली के आधार पर जमीन का हस्तांतरण एसएम स्टील्स एंड पावर लिमिटेड के नाम कर दिया गया। पीड़ित का आरोप है कि उन्हें और उनके पैतृक अधिकार को छिपाकर भूमि हस्तांतरण की प्रक्रिया पूरी की गई।



श्रम ही पूजा है,
कर्म ही सच्ची भक्ति,
विश्वकर्मा हैं
हर कारीगर की
शक्ति।

सृष्टि के प्रथम अभियंता,
कौशल, सृजन और श्रम के देवता

भगवान विश्वकर्मा पूजा

की हार्दिक शुभकामनाएं

इस पावन अवसर पर हम सभी के जीवन में
सुख, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और नए निर्माण की
प्रेरणा मिले, यही हमारी मंगलकामना है।

कौन हैं भगवान विश्वकर्मा?

भगवान विश्वकर्मा को देवताओं के दिव्य
शिल्पकार और सृष्टि के प्रथम अभियंता के रूप
में पूजा जाता है। वे वास्तु, शिल्प, निर्माण और
कौशल के प्रतीक हैं। मान्यता है कि उन्होंने
देवताओं के लिए स्वर्ग, इंद्रपुरी, पुष्पक विमान
और अनेक दिव्य भवनों का निर्माण किया था।
उनकी पूजा विशेष रूप से कारीगरों, इंजीनियरों,
वास्तुकारों, मजदूरों और सभी श्रमिक वर्गों द्वारा
की जाती है।

पूजा का महत्व

- कार्यस्थल और औजारों की पूजा
- नए कार्य की शुरुआत में शुभ संकेत
- जीवन में उन्नति और समृद्धि
- श्रम और कौशल के प्रति सम्मान



कर्म ही पूजा, कौशल ही शक्ति

आइए, इस विश्वकर्मा पूजा के अवसर पर हम
अपने श्रम, कर्म और कौशल का सम्मान करें
और मिलकर निर्माण करें एक बेहतर कल।

इस दिन विशेष रूप से...

- कारखानों, कार्यशालाओं और दुकानों में
विश्वकर्मा जी की पूजा की जाती है।
- औजारों, मशीनों और वाहनों की साफ-सफाई
और पूजा होती है।
- कारीगर और श्रमिक अपने काम के औजारों
को फूल, चंदन और रोली से सजाते हैं।
- कई जगहों पर भोग, प्रसाद और भक्ति
कार्यक्रमों का आयोजन होता है।

विश्वकर्मा जी

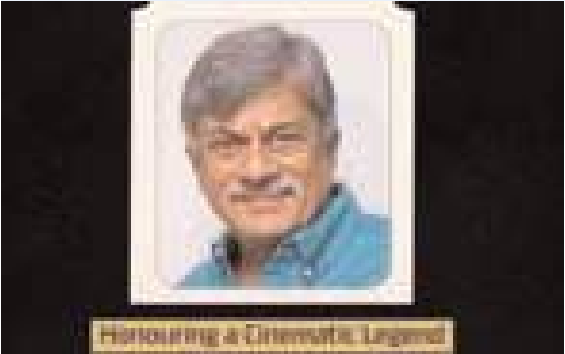
सभी के जीवन में नई ऊर्जा,
नई उम्मीद और सतत प्रगति दें।

श्रमिकों, कारीगरों और सभी निर्माणकर्ताओं को
विश्वकर्मा पूजा की शुभकामनाएं



संक्षिप्त खबरें

प्रधानमंत्री ने दादासाहेब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित होने पर अनंत नाग को दी बधाई



नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिग्गज अभिनेता अनंत नाग को वर्ष 2024 का दादासाहेब फाल्के पुरस्कार प्रदान किए जाने पर बुधवार को बधाई दी। उन्होंने कहा कि कई दशकों तक अनंत नाग के सहज अभिनय, बहुमुखी प्रतिभा और कलात्मक उत्कृष्टता ने भारतीय सिनेमा, विशेषकर कन्नड़ सिनेमा पर अमिट छाप छोड़ी है। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच ह्वाक्सह्न पर जारी अपने संदेश में कहा कि अनंत नाग ने जिस भी भूमिका को निभाया, उसमें असाधारण गहराई और प्रामाणिकता दिखाई। उन्होंने कहा कि यह सम्मान एक प्रतिष्ठित कलाकार के लिए पूरी तरह योग्य है। मोदी ने कहा कि अनंत नाग का सहज अभिनय और उनकी उल्लेखनीय बहुमुखी प्रतिभा कई दशकों से दर्शकों को प्रभावित करती रही है। उनके योगदान ने भारतीय सिनेमा में विशेष स्थान बनाया है और खास तौर पर कन्नड़ सिनेमा को समृद्ध किया है। उल्लेखनीय है कि अनंत नाग को वर्ष 2024 के दादासाहेब फाल्के पुरस्कार के लिए दादासाहेब फाल्के पुरस्कार चयन समिति ने चुना है। यह भारतीय सिनेमा का सर्वोच्च सम्मान है। उन्हें यह पुरस्कार 22 सितंबर को गुजरात के केडवड़ा में आयोजित 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में प्रदान किया जाएगा। प्रधानमंत्री ने इस विशेष अवसर पर अनंत नाग को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भारतीय सिनेमा में उनका दीर्घकालिक योगदान और विशिष्ट कलात्मक प्रतिभा इस सम्मान को सार्थक बनाती है।

भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने सिद्धिविनायक मंदिर और लालबागचा राजा के किए दर्शन

मुंबई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने बुधवार को महाराष्ट्र के एक दिवसीय दौरे के दौरान मुंबई के प्रसिद्ध सिद्धिविनायक मंदिर और लालबागचा राजा के दर्शन किए। इस दौरान उन्होंने देशवासियों की खुशी, शांति और खुशहाली के लिए प्रार्थना की। भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन के मुंबई पहुंचने पर सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने ढोल-नगाड़ों के साथ उनका स्वागत किया। इसके बाद वह प्रभादेवी स्थित सिद्धिविनायक मंदिर पहुंचे और पूजा-अर्चना की। सिद्धिविनायक ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष पवन त्रिपाठी ने नितिन नवीन का स्वागत किया। इसके बाद भाजपा अध्यक्ष ने लालबागचा राजा के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। दोपहर में उन्होंने मालाबार हिल स्थित मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के सरकारी आवास ह्वावर्षाह्न में भगवान गणेश के दर्शन किए। इसके बाद उन्होंने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के आवास पर भी गणपति के दर्शन किए। अपने दौरे के दौरान उन्होंने उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार से भी मुलाकात की। इसके बाद वह बांद्रा रिक्लेमेशन स्थित सर्वजन गणेशोत्सव मंडल पहुंचे और गणपति बप्पा के दर्शन किए। वहां उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों से बातचीत भी की। इस दौरान मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, भाजपा के राष्ट्रीय सह-संगठन महामंत्री शिवमकाश, भाजपा महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण, सांस्कृतिक मंत्री एडवोकेट आशीष शेलार, कौशल विकास एवं रोजगार मंत्री मंगल प्रभात लोढा, विपणन मंत्री जयकुमार रावल, भाजपा मुंबई अध्यक्ष अमित साटम, संजय उपाध्याय, मुंबई की मेयर रितु तावड़े, युवा मोर्चा मुंबई अध्यक्ष दीपक सिंह समेत कई भाजपा नेता और पदाधिकारी मौजूद थे।

नेपाल में विदेशी पर्यटकों के लिए होगी पासपोर्ट-फ्री ट्रेवल व्यवस्था, मोबाइल ऐप में दिखेगा डिजिटल पासपोर्ट

काठमांडू। नेपाल के आब्रजन विभाग ने ह्वापासपोर्ट-फ्री ट्रेवलह्न की अवधारणा लागू करने की तैयारी की है। इसके तहत नेपाल घूमने आने वाले विदेशी पर्यटकों को यात्रा के दौरान अपने साथ पासपोर्ट रखने की जरूरत नहीं होगी। पर्यटक अपने मोबाइल में आब्रजन विभाग के ऐप के जरिए पासपोर्ट का डिजिटल विवरण दिखा सकेगें। इसके लिए पर्यटकों को ह्वाडिपार्टमेंट ऑफ इमिग्रेशनह्न मोबाइल ऐप में लॉगिन कर अपने पासपोर्ट की जानकारी दर्ज करनी होगी। विभाग के निदेशक टीकाराम ढकाल के मुताबिक, ऐप पर प्रदर्शित पासपोर्ट विवरण को नेपाल के सभी संबंधित निकायों में मान्यता दी जाएगी। उन्होंने बताया कि इस व्यवस्था से पर्यटकों को यात्रा में सुविधा होगी और सरकार के लिए डिजिटल ट्रैकिंग भी आसान हो जाएगी। शुरूआत में नेपाल प्रवेश के समय पर्यटक को आब्रजन कार्यालय में पासपोर्ट दिखाकर मोबाइल ऐप में लॉगिन करना होगा। इसके बाद नेपाल में यात्रा के दौरान पासपोर्ट साथ रखने की आवश्यकता नहीं होगी। वर्तमान में हिमालय में पर्वतारोहण के दौरान भी पर्यटकों को अपना पासपोर्ट साथ रखना पड़ता है। विभाग का कहना है कि पर्यटकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए यह व्यवस्था तैयार की गई है। इस व्यवस्था से संबंधित सभी तकनीकी तैयारियां पूरी कर विभाग ने मंजूरी के लिए प्रस्ताव गृह मंत्रालय को भेज दिया है। प्रवक्ता ढकाल ने बताया कि मंत्रालय से स्वीकृति मिलते ही इसे लागू कर दिया जाएगा।

गाजा के 20 से अधिक अस्पतालों को डीजल सप्लाई बंद कर सकता है डब्ल्यूएचओ

तेहरान। गाजा में स्वास्थ्य सेवाओं पर एक और संकट मंडराने लगा है। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के डायरेक्टर-जनरल डॉ. मुनीर अल-बुर्श के मुताबिक, फंड की कमी के चलते विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) 19 सितंबर से गाजा के 20 से अधिक अस्पतालों और हेल्थ सेंटरों को डीजल की सप्लाई बंद कर सकता है। ईरान की अर्ध-आधिकारिक समाचार एजेंसी मेहर न्यूज के मुताबिक, अल-बुर्श ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी एक वीडियो संदेश में चेतावनी दी कि ईंधन की आपूर्ति रुकने से गाजा की पहले से ही गंभीर स्वास्थ्य व्यवस्था पर और दबाव बढ़ सकता है। उन्होंने कहा कि फिहाल उपलब्ध सीमित ईंधन भी स्वास्थ्य केंद्रों को संचालित रखने के लिए मुश्किल से पर्याप्त है। अल-बुर्श ने कहा कि डीजल सप्लाई बंद होने का असर केवल अस्पतालों के जनरेटर तक सीमित नहीं रहेगा। उनके मुताबिक, इससे ऑपरेशन थिएटर, आईसीयू, वेंटिलेटर और ऑक्सीजन सिस्टम प्रभावित हो सकते हैं। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि इन्फ्यूबेटर में भर्ती नवजात शिशुओं, डायलिसिस भर्तीजों, घायलों और गंभीर रूप से बीमार लोगों की जान खतरे में पड़ सकती है। उनके अनुसार एम्बुलेंस सेवाओं के संचालन और दवाओं तथा वैकसीन के लिए जरूरी कोल्ड-चेन सिस्टम पर भी असर पड़ सकता है।

अमेरिकी नागरिकों को ठगने वाले फर्जी कॉल सेंटरों पर ईडी की छापेमारी, 220 कर्मचारी मिले

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अमेरिकी नागरिकों को निशाना बनाकर ठगी करने वाले फर्जी कॉल सेंटर नेटवर्क के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पंजाब, महाराष्ट्र और चंडीगढ़ में चार ठिकानों पर छापेमारी की है। कार्रवाई के दौरान तीन सक्रिय कॉल सेंटरों का पता चला, जहां करीब 220 लोग काम करते मिले। ईडी की हैदराबाद जोनल इकाई ने बताया कि 15 सितंबर को धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत पटियाला, पुणे और चंडीगढ़ में तलाशी ली गई। जांच में सामने आया कि आरोपित पटियाला और पुणे से कॉल सेंटर संचालित कर अमेरिकी

नागरिकों से धोखाधड़ी कर रहे थे। जांच के अनुसार गिरोह पहले डेटा सप्लायर और कॉल-ब्लास्ट वेंडरों के जरिए अमेरिकी नागरिकों की जानकारी हासिल करता था। इसके बाद उन्हें बड़ी संख्या में स्मैम ईमेल भेजे जाते थे, जिनमें समस्या के समाधान के नाम पर एक टोल-फ्री नंबर दिया जाता था। जब पीड़ित उस नंबर पर संपर्क करते थे तो कॉल सेंटर के कर्मचारी उनका भरोसा जीतते थे और फिर खुद को प्रतिष्ठित कंपनियों, बैंकों या सरकारी एजेंसियों का अधिकारी बताकर डर या तात्कालिकता का माहौल बनाते थे। ईडी के मुताबिक, पीड़ितों को गिफ्ट कार्ड, नकदी, सोना या अन्य

तिरुमला तिरुपति देवस्थानम हर श्रद्धालु को देगा दो लाख रुपये का बीमा कवर : चंद्रबाबू नायडू

हैदराबाद। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने बुधवार को कहा कि तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ने भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के साथ मिलकर तिरुमला आने वाले प्रत्येक श्रद्धालु को बीमा सुविधा देने का निर्णय लिया है। इसके तहत यात्रा के दौरान प्राकृतिक कारणों से मृत्यु होने पर परिजनों को दो लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी। टीटीडी ने श्रद्धालुओं को आधार आधारित ऑनलाइन बीमा सुविधा से जोड़ने का फैसला किया है। नायडू ने टीटीडी अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक के बाद संवाददाता सम्मेलन में यह

जानकारी दी। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा को ध्यान में रखते हुए बीमा योजना के साथ-साथ तिरुमला और तिरुपति में कई अन्य विकास एवं यात्री सुविधाओं से जुड़ी योजनाएं भी शुरू की जा रही हैं। मुख्यमंत्री ने एसबी संग्रहालय का उद्घाटन भी किया। उन्होंने बताया कि संग्रहालय को टीसीएस ट्रस्ट ने 104 करोड़ रुपये की लागत से तैयार किया है और आगामी पांच वर्षों तक वही ट्रस्ट इसका संचालन करेगा। उन्होंने बताया कि वैकुंठम कॉम्प्लेक्स-1 में 'दुर्लभ दर्शन' नाम से एक हीलिंग एक्सपीरियंस सेंटर स्थापित किया गया है। इसमें मंदिर के इतिहास और भगवान वेंकटेश्वर



की भव्यता को प्रदर्शित किया जाएगा। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए रिलायंस फाउंडेशन ने 25 इलेक्ट्रिक बसें दान की हैं, जबकि सात बसें भारत बायोटेक की ओर से उपलब्ध कराई गई हैं। मुख्यमंत्री ने नारायणगिरि सर्कल पर इन बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। नायडू ने कहा कि सरकार श्रीवाणी ट्रस्ट के माध्यम से 5,000 मंदिरों के निर्माण की योजना पर

इतिहास वाले तिरुमला को दुनिया के प्रमुख मंदिरों में विकसित किया जाना चाहिए। उन्होंने श्रद्धालुओं को निःशुल्क भोजन उपलब्ध कराने वाले अन्नदानम ट्रस्ट के बारे में बताया कि उसके पास 3,165 करोड़ रुपये का कॉर्पस फंड है। उन्होंने अन्नप्रसादम की गुणवत्ता और व्यवस्था को और बेहतर बनाने की बात कही। नायडू ने तिरुपति रेलवे स्टेशन से बस स्टैंड तक स्काईवॉक बनाने की प्रस्तावित योजना की भी जानकारी दी। इसे केंद्र सरकार के सहयोग से पूरा किया जाएगा। इसके अलावा हाल में अधिग्रहित 50 एकड़ जमीन पर बहुमंजिला पार्किंग सुविधा विकसित करने

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान और सम्राट चौधरी ने किया हवाई सर्वेक्षण, हरसंभव मदद का दिया भरोसा



साझा किया। शिविरों में केंद्रीय मंत्री और मुख्यमंत्री ने भोजन, शुद्ध पेयजल, स्वास्थ्य सुविधाओं तथा विस्थापित बच्चों की पढ़ाई के लिए की गई व्यवस्थाओं का सघन निरीक्षण किया। प्रभावितों को ढाहस बंधाते हुए केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा, रूपाकृतिक आपदाएं आती-जाती रहती हैं, लेकिन हमारी सरकार का मुख्य प्रयास यह है कि इस संकट की घड़ी में जनता को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो। केंद्र सरकार बिहार के बाढ़ प्रभावित

परिवारों और विशेष रूप से अन्नदाताओं के साथ पूरी मजबूती से खड़ी है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि बाढ़ के पानी से फसलों, मकानों और पशुओं को हुए नुकसान का विस्तृत आकलन कराया जाएगा और पीड़ितों को हरसंभव आर्थिक और व्यावहारिक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने इस मौके पर प्रशासनिक अधिकारियों को राहत कार्यों में कोई भी कोताही न बरतने के सख्त निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही उन्होंने जानकारी दी कि बिहार में बाढ़ की विभीषिका और नुकसान का सटीक आकलन करने के लिए जल्द ही एक उच्च स्तरीय केंद्रीय टीम राज्य का दौरा करेगी।

भारत-अमेरिका के संयुक्त सैन्य 'युद्ध अभ्यास' के 22वें संस्करण का उद्घाटन समारोह आयोजित



बीकानेर। भारत-अमेरिका के संयुक्त सैन्य 'युद्ध अभ्यास' के 22वें संस्करण का उद्घाटन समारोह उत्तराखंड के औली विदेशी प्रशिक्षण केंद्र तथा महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में एक ही समय पर आयोजित किया जा रहा है। औली में सेना की 14वीं इन्फैंट्री डिवीजन के जनरल ऑफिसर कमांडिंग मेजर जनरल अमरेश गुंजन और अमेरिकी सेना की 11 वीं एयरबोर्न डिवीजन की पहली इन्फैंट्री ब्रिगेड कॉम्बैट टीम के कमांडर कर्नल बेंजामिन जैकमैन ने दोनों पक्षों के 600-600 जवानों वाले प्रतिभागी दलों को संबोधित किया। इस अभ्यास का उद्देश्य पर्वतीय और अर्ध-पर्वतीय क्षेत्रों में एकीकृत युद्ध

समूहों के उपयोग के लिए दोनों सेनाओं की संयुक्त सैन्य क्षमता में वृद्धि करना है जिसमें पैदल सेना-प्रधान अभियानों पर विशेष बल दिया गया है। इससे अंतर-संचालनीयता सुदृढ़ होगी, सर्वोत्तम परिचालन पद्धतियों का आदान-प्रदान सुगम होगा और संयुक्त योजना तथा क्रियाच्यवन को मजबूत बनाया जा सकेगा। इस अभ्यास में प्रौद्योगिकी के समावेश पर प्रमुख

रूप से ध्यान दिया जाएगा। इस दौरान प्रशिक्षण में निगरानी और टोही कार्यों के लिए ड्रोन और स्वातंत्र्य प्रणालियों का उपयोग शामिल होगा। साथ ही महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में आधुनिक हथियार प्रणालियों का प्रदर्शन भी किया जाएगा। दोनों सेनाओं के विषय विशेषज्ञ उभरती प्रौद्योगिकियों और बहु-क्षेत्रीय युद्ध में हो रहे बदलावों पर भी अपने विचार साझा करेंगे। यह अभ्यास दोनों सेनाओं को रणनीति, तकनीक और प्रक्रियाओं को साझा करने का अवसर प्रदान करेगा और विभिन्न भूभागों तथा परिचालन संबंधी वातावरणों में समन्वित सैन्य कार्रवाइयां करने की उनकी क्षमता को बढ़ाएगा।

केन्द्र ने किया सीबीएफसी का पुनर्गठन 18 सदस्यीय बोर्ड में प्रीति जिंटा सहित कई फिल्मी हस्तियां शामिल



नई दिल्ली। केन्द्र सरकार ने केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) का पुनर्गठन किया है। बुधवार को सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार नया बोर्ड तत्काल प्रभाव से तीन साल या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, प्रभावी रहेगा। नए बोर्ड में फिक्म और कला जगत से जुड़े 18 सदस्यों को शामिल किया गया है। इनमें अभिनेता मनोज जोशी, सुनील शेठ्टी, प्रीति जिंटा, पंकज त्रिपाठी, रूपाली गांगुली, पल्लवी जोशी, प्रोसेनजीत चटर्जी और प्रियदर्शन समेत कई प्रमुख नाम शामिल हैं। अभिनेताओं में विनोद अनुपम, मनोज जोशी, अभिषेक जैन, रिकी केज, प्रियदर्शन, सुनील शेठ्टी, हंसराज हंस, सुप्रिया यालांगिड्डा, वरिंद मिश्रा, रूपाली गांगुली, प्रीति जिंटा, नीला माधव पांडा, पंकज त्रिपाठी, प्रोसेनजीत चटर्जी, पल्लवी जोशी, निशिंगंधा वाड, वामन केद्रे, रमेश पतांगि शामिल हैं। सरकार ने यह पुनर्गठन सिनेमेटोग्राफ अधिनियम, 1952 की धारा 3(1) और सिनेमेटोग्राफ (सर्टिफिकेशन) नियम, 2024 के नियम 3 के तहत किया है।

यूपी एटीएस ने आतंकी संगठन से जुड़े होने के आरोप में

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) ने आतंकी संगठन अलकायदा इन इंडियन सब कॉर्टिनेट (एकीस) की विचारधारा से जुड़े एक संदिग्ध मकसूद अली को तमिलनाडु से गिरफ्तार किया है। इस मौके से जुड़े होने के आरोप में अब तक दो अभियुक्तों की गिरफ्तारी हो चुकी है। अपर पुलिस महानिदेशक कानून व्यवस्था अमिताभ यश ने बुधवार को बताया कि कुछ लोग सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म पर गुप बनाकर, देश विदेशी गतिविधियों की षड्यंत्र रच रहे हैं। एटीएस ने कार्रवाई करते

हुए आजमगढ़ से एक अभियुक्त मोहम्मद नबील को गिरफ्तार किया था। पूछताछ में उसने कई बातें सुरक्षा जांच एजेंसियों को बतायीं, जिसके बाद कार्रवाई की जा रही थी। इसी क्रम में अभियुक्त का एक साथी मूलरूप से सिद्धार्थनगर निवासी मकसूद अली को तमिलनाडु से गिरफ्तार किया है। पूछताछ में पता चला है कि मकसूद पूर्व में गिरफ्तार हुए नबील और अन्य लोगों के साथ मिलकर भारत के विरुद्ध हिंसात्मक जेहादी घटनाओं को अंजाम देने के लिए साजिश रच रहा था।

नई दिल्ली। स्वच्छता को जनभागीदारी और सामुदायिक जिम्मेदारी से जोड़ने के उद्देश्य से वार्षिक स्वच्छता ही सेवा-2026 अभियान 17 सितंबर से शुरू होगा। इस वर्ष अभियान का विषय ह्वास्वच्छता में सहभागिता; स्वच्छ भारत, विकसित भारतह्न रखा गया है। 15 दिन तक चलने वाले इस अभियान में ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में नागरिक भागीदारी, निरंतर स्वच्छता और स्वच्छ सार्वजनिक स्थलों पर विशेष जोर



दिया जाएगा। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने बुधवार को राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में 17 सितंबर से 02 अक्टूबर तक चलने वाले अभियान की प्रमुख गतिविधियों की जानकारी साझा की। इस दौरान केंद्रीय जलशक्ति राज्यमंत्री वी. सोमन्ना, केंद्रीय आवास एवं शहरी

विकास राज्यमंत्री तोखन साहू, केंद्रीय आवास एवं शहरी विकास विभाग के सचिव सतेेंद्र सिंह और स्वच्छता एवं पेयजल विभाग के सचिव अशोक केके मौजा मौजूद रहे। पाटिल ने बताया कि इस वर्ष अभियान के दौरान जनभागीदारी से स्वच्छता गतिविधियों को गति देने, चिह्नित स्थानों पर विशेष स्वच्छता अभियान चलाने, सफाई मित्रों के कल्याण एवं सम्मान और गांवों में स्वच्छता के प्रति जिम्मेदारी एवं सेवा के भाव को और मजबूत करने पर

विशेष जोर रहेगा। उन्होंने बताया कि स्वच्छता ही सेवा अभियान नागरिकों, समुदायों और संस्थानों को एक साथ लाने पर केंद्रित है ताकि जमीनी स्तर पर स्वच्छता नजर आए। इस अभियान में स्वच्छता का लक्ष्य बेहद खराब, गंदे और उपेक्षित स्थानों पर ध्यान केंद्रित करना है। केंद्रीय मंत्री पाटिल ने कहा, हमारा प्रयास है कि स्वच्छता केवल सरकारी कार्यक्रम बनकर न रहे, बल्कि हर नागरिक की भागीदारी से एक सशक्त जन आंदोलन बने।

सशक्त दिव्यांगजन समर्थ भारत

हम अपने दिव्यांग बहनों और भाइयों के लिए एक समन्वयी और सुगम चरित्र सुनिश्चित करने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहे हैं।

— नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

देशभर के 76 स्थानों पर सामाजिक अधिकारिता विधियों के माध्यम से दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठ नागरिकों को भारत सरकार की एशिय, राष्ट्रीय वयोव्री योजना व सीएसआर के अंतर्गत निःशुल्क सहायक उपकरणों का वितरण

देश भर में विभिन्न स्थानों पर विधियों का आयोजन	योजना के अंतर्गत खर्च का पूरा भंडन भारत सरकार द्वारा
58 हजार से अधिक लाभार्थियों को विधियों से उपकरणों का मुफ्त वितरण	विधियों में नए लाभार्थियों के लिए भी रजिस्ट्रेशन की सुविधा उपलब्ध

विधियों का अधिक जानकारी के लिए लॉगिन करें

www.depwd.gov.in

17 सितंबर, 2026 सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक

दिव्यांगजनों के जीवन में आ रहा है बदलाव जब तक 30 हजार से अधिक विधियों आयोजित

34 लाख से अधिक दिव्यांगजनों को सहायक एवं पूरे उपकरणों का वितरण

ADIP योजना के अंतर्गत सहायक उपकरणों में नेटवर्क ट्राइप्लाइज, बैट्यूबल ट्राइप्लाइज, पॉडियम सीलफेबल सीटिंग अन्य उपकरण शामिल हैं

किस प्रकार सहायक उपकरणों का मुफ्त वितरण करें?

दिव्यांगजन सहायक उपकरणों की सूची के लिए <https://www.depwd.gov.in> पर जाकर देखें

टोल फ्री नंबर: 1800-180-5129, 9519268833, 9519538833